चैत्र शुक्ल पक्ष- प्रतिपदा, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 293 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
09 अप्रैल 2024 मंगलवार

आज का मौसम
36 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

राहुल न तो मोदी का विकल्प बन सके, न बेहतर प्रकल्प रच सके

भारत जोड़ो यात्रा से लेकर न्याय यात्रा के जरिए भारत की धरती को नापने वाले राहुल गांधी न तो देश के दस साला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बेहतर विकल्प बन सके हैं और न उनके पास मोदी और उनकी भाजपा की टीम से बेहतर प्रकल्प(कार्यक्रम) हैं, जिनके बूते वह दस साल के सत्ता वनवास से कांग्रेस की वापसी करा सकें।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

सबसे पहला सवाल तो यह है कि पांच साल पहले यानि 2019 में लोकसभा चुनावों में भाजपा के हाथों करारी हार झेलने वाली कांग्रेस के अध्यक्ष पद को छोडऩे वाले राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के सिरमौर क्यों बने हुए हैं? कांग्रेस ने बीते पांच सालों में कार्यकारी अध्यक्ष के बतौर उम्रदराज और अक्सर बीमार बनी रहने वाली सोनियां गांधी को लंबे अरसे तक पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष क्यों बनाए रखा? लोकसभा चुनाव के डेढ़ साल भर पहले उन्हें नियमित अध्यक्ष चुनने की याद क्यों आई? और वह भी अस्सी की उम्र पार कर चुके मल्लिकार्जुन खरगे सरीखा नेता ही गांधी परिवार को क्यों उपयुक्त लगा? कुछेक अपवाद भरे सालो को छोड?र देखें तो छह दशक से ज्यादा वक्त से नेहरू-गांधी खानदान को कांग्रेस में ही अध्यक्ष के कोई बेहतर विकल्प क्यों नहीं मिला? क्या कांग्रेस में गांधी परिवार से इतर कोई काबिल नेता नहीं मिला जिसके बूते वह पार्टी की दिल्ली की सत्ता पर राज करने का प्रयत्न कर सकती थी? और किसी की छोड़िए राहुल गांधी को इतना लंबा मौका दिए जाने के बावजूद पार्टी सुप्रीमो सोनिया गांधी को प्रियंका गांधी में योग्यता की कोई कमी नजर आई?

आखिर क्यों शिवसेना से निकले कांग्रेस नेता संजय निरूपम को यह कहना पड़ा का कि कांग्रेस को एक दो नहीं पांच-पांच पावर सेटर चला रहे हैं? अगर अध्यक्ष खरगे हैं और सोनियां गांधी को छोड़ भी दें तो भी राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और वेणूगोपाल जैसे नेताओं को पावर सेंटर बनने की क्या जरूरत है? क्या वह उनके पीछे खड़े रहकर कांग्रेस को आगे बढ़ाने का काम नहीं कर सकते? हालांकि मोहब्बत की दुकान चलाने वाली सहिष्णुता से भरी कांग्रेस में संजय निरूपम को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया जो कि पहले से ही मुमकिन था। लेकिन कांग्रेस में किसी को यह सोचने की फुरसत नहीं है कि इतनी बड़ा तादाद में कांग्रेस के कभी निष्ठावान सिपाही रहे लोग पार्टी छोडकर क्यों जा रहे हैं? कांग्रेस ने बहुसंख्यकवाद विरोधी रवैया क्यों अपना रखा है? अल्पसंख्यक तुष्टीकरण को अपनाने के जाए सबको साथ लेकर चलने वाली उसकी विचारधारा कहां खोकर रह गई? उसके मन में हिंदु और सनातन विरोध की जड़ों को आखिर किसने और क्यों मजबूत किया जिसे सींचने का काम राहुल गांधी और उनकी वामपंथी विचारकों की टीम करती रहती है? बजाए किसी वर्ग विशेष की हिमायत करने के भारत को भारत न सही हिंदुस्थान या हिंदुस्तानियों का देश कहने में उसे आपत्ति क्यों हैं? कांग्रेस की नदी में बहने वाली दक्षिण पंथ और मध्यमार्गियों की अंर्तधाराएं कहां सूख गईं या किसने सुखा दी? सबका साथ सबका विकास या कांग्रेस का हाथ सबका विकास का नारा आखिर कहां गुम हो गया? वह कांग्रेस आखिर कहां चली गई जो सबको साथ लेकर दशकों तक देश चला रही थी? लेकिन उस पर आखिर किसने कब्जा कर लिया।

ये सवाल मोदी और भाजपा के सामने कांग्रेस के लिए विकल्पहीनता के हालात पैदा करते हैं। अब बात प्रकल्प या कार्यक्रमों की करें तो इस मामले में उसके सामने टोटा नजर आता है। मान लें कि हर साल दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का नरेंद्र मोदी का वादा खोखला था तो सरकारी नौकरी में तीस लाख युवाओं को भरने के कांग्रेस के दावे पर कौन भरोसा करेगा? कैसे करेगा? अगर दो करोड़ लोगों को नौकरी का वादा झूठा है तो गांव कस्बों से लेकर शहरों तक काम करने वालों का टोटा क्यों पड़ रहा है? क्या इस देश के हुनरमंद लोगों को काम नहीं मिल रहा। हां जो बिना किसी हुनर के काम की आस लगाकर बैठे हैं तो उन्हें जरूर रोजगार की दरकार है। लेकिन क्या उन्हें बिना किसी काबिलियत के कोई काम देगा? कांग्रेसी घोषणापत्र में कहा गया कि मुंबई के आईआईटी जैसे संस्थान से निकले 35 फीसदी युवा इंजीनियरों को नौकरी नहीं मिल पा रही है। लेकिन उसने इस बात का खुलासा नहीं किया कि ऐसा क्यों हो रहा है? आखिर क्यों निजी संस्थान उन्हें नौकरी देने में कतरा रहे हैं। उनमें भर्तियों के क्या मानदंड हैं? सिर्फ एक डिग्री ही नौकरी के लिए काफी नहीं है। उसका पुराना रिकार्ड भी निजी संस्थान खंगालते हैं। फिर कांग्रेस को यह भी बताना चाहिए था कि आखिर सरकार की किन नीतियों के चलते भारतीय टेलेंट विदेशों में नौकरी के लिए क्यों भाग रहा है? समस्या की बात तो कोई भी कर सकता है, लेकिन ब तक समाधान नहीं सुझाएंगे तब तक आप बेहतर विकल्प नहीं बन सकते।

कांग्रेस कहीं आदिवासियों को लुभाने के लिए छठी अनुसूची का राग अलाप रही है तो कहीं वह जातीय जनगणना की बात कर रही है। लेकिन यह नहीं बता रही कि आखिर यह सब करने से क्या होगा? कई दशकों तक कांग्रेस सत्ता में रही तब उसने इस बारे में बात क्यों नहीं की? तब तो आपके हाथ में सरकार की शक्ति थी। अगर अनुसूचित वर्ग को संविधान में मिले विशेषाधिकार कुछ परिवारों या वंशों तक सीमित रह गए तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? ये तमाम सोच उसके दिमाग में अब क्यों आ रहे हैं. जब उसके हाथ में कुछ भी नहीं है। राहुल गांधी के इर्दगिर्द यदि सिर्फ चाटूकारों की फौज है तो मोदी के साथ शाह और नड्डा सरीखे दर्जनों नेता है। आरएसएस जैसा थिंक टैंक है लेकिन आपने अपने सेवादल की क्या हालत बना दी? आखिर ऐसे में सिर्फ जनता के भरोसे चुनाव जीतने की कल्पना राहुल और उनकी टीम कैसे कर सकती है?

नैनीताल में भीषण सड़क हादसा, आठ मौत

नैनीताल, एजेंसी।

बीती देर रात बेतालघाट क्षेत्र के मल्ला गांव ऊंचाकोट मोटर मार्ग पर एक पिकअप 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में चालक समेत आठ लोगों की मौत हो गई। वाहन में सवार दो नेपाली मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनको हायर सेंटर रेफर किया गया है। सभी क्षेत्र में पेयजल लाइन बिछाने का काम खत्म करने के बाद वापस लौट रहे थे तभी यह हादसा हो गया। हादसे में जान गंवाने वाले नेपाली मजदूरों के नाम और उनके घर का पता अभी नहीं चला है। घायलों के होश में आने के बाद ही कुछ जानकारी हासिल हो सकेगी।

आई फोन बनाने वाली कंपनी खरीदने की तैयारी में टाटा

नई दिल्ली , एजेंसी।

अमेरिका की दिग्गज कंपनी एपल के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर आईफोन बनाने वाली ताइवान की एक और कंपनी टाटा ग्रुप की झोली में आने वाली है। खबरों के मुताबिक टाटा ग्रुप ताइवानी कंपनी पेगाट्रॉन की इंडिया यूनिट में मैज्योरिटी स्टेक खरीदने के लिए की तैयारी में है। इससे पहले टाटा ग्रुप ऐपल की एक और कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्ररर विस्ट्रॉन को खरीद चुकी है। सूत्रों का कहना है कि यह डील आने वाले दो से तीन महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह विस्ट्रॉन की तरह का अधिग्रहण होगा या जॉइंट वेंचर। दरअसल पेगाट्रॉन और फॉक्सकॉन की तरह विस्ट्रॉन भी ऐपल के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर आईफोन बनाती है। टाटा ग्रुप ने पिछले साल नवंबर में 12.5 करोड़ डॉलर में इसकी लोकल यूनिट को खरीदा था और iPhone बनाने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई। इस मामले में इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि यह जानकर खुशी हुई कि मोबाइल फोन निर्माण में भारतीय चैंपियन उभर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा कि इस डील की रकम विस्ट्रॉन सौदे से कम होगी क्योंकि पेगाट्रॉन एक छोटी कंपनी है

लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए दो दिन में दूसरी बार पीएम का दौरा...

बालाघाट में पीएम मोदी की सभा सतना में कांग्रेस को नया झटका

भोपाल/बालाघाट, दोपहर मेट्रो।

आदिवासी बहुल मप्र के मंडला और शहडोल संसदीय क्षेत्र में राहुल गांधी की सभा के बाद आज पीएम नरेंद्र मोदी आदिवासी क्षेत्र बालाघाट में सभा के लिए पहुंच रहे हैं। इन सभी सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान हैं। खास बात यह है कि मप्र में पहले और आखिरी चरण के 13 मई के मतदान में अधिकांश आदिवासी सीटें समाहित हैं, वहीं मोदी की सभा के लिये मुख्यमंत्री मोहन यादव व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा भी पहुंचे हैं। बताया जाता है कि जल्द

ही गृहमंत्री अमित शाह और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी चुनावी दौरे पर मप्र के विंध्य क्षेत्र में सभा कर सकते हैं।

राजाराम ने छोड़ी कांग्रेसः सतना में महापौर रहे कांग्रेस नेता राजाराम त्रिपाठी आज सुबह सीएम यादव के समक्ष भाजपा की सदस्यता ले ली।

राहुल ने ढाबे में किया डिनर, सुबह महिलाओं संग महुआ बीना व चखा

भोपाल/ शहडोल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने बीती रात शहडोल के एक होटल में गुजारी। कल सभा के बाद वे लौट नहीं सके थे क्योंकि उनके हेलिकॉप्टर का फ्यूल खत्म हो गया था और फिर खराब मौसम के कारण उनका हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका, जिसके बाद उन्होंने शहडोल में ही रात गुजारी। बताया जाता है कि देर रात राहुल ने शहडोल-कटनी नेशनल हाईवे 43 पर स्थित ढाबे में पहुंचकर डिनर किया, उनके साथ जीतू पटवारी भी थे। आज सुबह 6 बजे वे होटल से निकले। शहडोल से उमरिया जाते वक्त रास्ते में आदिवासी महिलाओं को महुआ बीनते देख राहुल ने काफिला रुकवाया और उनसे बातचीत की। राहुल ने कुछ महुए बीने और चखकर भी देखे।

मोदी ने कहा-मंदिर निर्माण से परेशान है कांग्रेस

आज बालाघाट से पहले उप्र के पीलीभीत में सभा में मोदी ने कहा कि देश मजबूत होता है तो दुनिया उसकी बातों को गौर से सुनती है। उन्होंने कहा कि यूरिया की जो बोरी दुनिया में 3 हजार रुपए में बिकती है, वो हमारी सरकार सिर्फ 300 रुपए से भी कम कीमत पर किसानों को देती है। मोदी ने कांग्रेस पर हमलावर होते हुए कहा कि इनको राम मंदिर के निर्माण से पहले भी परेशानी थी और आज भी है।

हम राम के पुजारी, भाजपा राम की व्यापारी :कांग्रेस

कांग्रेस के महासचिव और संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने आज राम मंदिर मामले पर कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में हुआ जश्न राजनीतिक था। यह एक राजनीतिक व्यक्ति के लिए किया गया था। जबकि हम(कांग्रेस)राम के उपासक हैं और भाजपा राम की व्यापारी हैं। धर्म का राजनीतिकरण, धर्म और राजनीति को भी नीचे लाता है। वहीं तमिलनाडु लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा, हम इसलिये कह रहे हैं कि जनता केंद्र में भाजपा को तीसरा कार्यकाल न दें, क्योंकि 10 वर्षों में भाजपा ने तमिलनाडु की उपेक्षा की है और धोखा दिया है।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई दोपहर बाद

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति केस में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के पाद

तिहाड़ जेल में कैद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद के लिए आज अहम दिन है। दिल्ली हाईकोर्ट आबकारी नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर आदेश पारित करेगा। इस बीच, दिल्ली की शिक्षा मंत्री और आप नेता आतिशी ने कहा, यदि जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की तरह भाजपा में शामिल हो जाएं, तो वह एक दिन में रिहा कर दिए जाएंगे।मगर केजरीवाल कभी नहीं झुकेंगे।

राजनाथ ने दिलाई सदस्यता, 40 घंटे में कांग्रेस में लौटीं नपा अध्यक्ष

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी संसदीय क्षेत्र में 19 अप्रैल को वोटिंग होनी है इस बीच रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दो दिन पहले सीधी में ही भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर राजेश मिश्रा के पक्ष में चुनाव प्रचार के दौरान सीधी नगर पालिका की अध्यक्ष काजल वर्मा को भाजपा की सदस्यता दिलाई, वे मूलतः कांग्रेस में थीं। लेकिन अब अचानक कांग्रेस के जिला कार्यालय में काजल वर्मा ने बताया, मैं वहां गई थी तो मेरे को पता नहीं था कि मैं कहां जा रही हूं। मैं कांग्रेस पार्षदों के समर्थन से अध्यक्ष बनी हूं और कांग्रेस में रहूंगी।

मेट्रो एंकर | मार्केट कैपिटलाइजेशन 401.10 लाख करोड़ रुपये के ऑलटाइम हाई पर...

नवरात्रि पर बाजार की धमाकेदार शुरूआत, सेंसेक्स 75000 पार, ऑलटाइम हाई का नया रेकार्ड बना

मुंबई, एजेंसी।

आज से चैत्र नवरात्रि और हिंदी नववर्ष की शुरूआत बाजार में भी धमाकेदार रही है। पहले ही दिन शेयर बाजार ने इसका ऐसा स्वागत किया कि कीर्तिमान बन गया। स्टाक मार्केट ओपन होने के साथ ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सेंसेक्स ने जोरदार छलांग लगाई और पहली बार 75,000 का आंकड़ा पार कर लिया। सेंसेक्स के साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स भी रॉकेट की रफ्तार से भागा और 22,700 का नया शिखर छू लिया। दरअसल शानदार ग्लोबल संकेतों के बीच स्टाक मार्केट में जोरदार तेजी के साथ कारोबार हुआ। सेंसेक्स पहली बार 75000 का आंकड़ा पार करते हुए 75,124.28 के स्तर पर ओपन हुआ, यह ऑल टाइम हाई लेवल है। गत दिवस सेंसेक्स 74,742.50 पर क्लोज हुआ था। वहीं आज निफ्टी भी सेंसेक्स के साथ कदम मिलाता रहा और बाजार खुलने के साथ ही नए शिखर पर जा पहुंचा। निफ्टी ने 22,765.10 के रकॉर्ड स्तर पर कारोबार की शुरुआत की।

662 शेयर हरे निशान पर

आज शेयर बाजार में कारोबार की शुरुआत के साथ जहां 1,662 शेयरों में तेजी देखने को मिली, तो वहीं 584 शेयर ऐसे थे जिनकी शुरुआत गिरावट के साथ लाल निशान पर हुआ। 97 शेयरों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं था। बीते कारोबारी दिन भी बाजार ने जोरदार तेजी के साथ नया हाई लेवल छुआ था और आज इस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा। खास बात ये है कि इस तेजी के साथ सोमवार को शुरुआती कारोबार में ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का मार्केट कैपिटलाइजेशन 401.10 लाख करोड़ रुपये के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया था।

जबरदस्त रोष

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक के गेट पर कोविड काल से ही ताला लगा हुआ है डीआरएम से भी कई बार अनुरोध के बावजूद यह ताला नहीं खुल पा रहा है। इसे लेकर स्टेशन के आसपास के दुकानदारों गए जबरदस्त रोष है।

वहीं भोपाल स्टेशन पर गेट के सामने वाहनों का अतिक्रमण

मनमर्जी किताबें बढ़ाई, होमवर्क भी दिया जा रहा, नोटिस बोर्ड और वजन का चार्ट नहीं

स्कूल बैग पॉलिसी का पालन नहीं करा पा रहे अधिकारी, नौनिहाल ढो रहे वजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल बैग पॉलिसी लागू की है, लेकिन इसका पालन नहीं कराया जा रहा है। हालात यह हैं कि स्कूल अपनी मनमानी कर रहे हैं और बच्चे अपने नन्हें कंधो पर वजन ढो रहे हैं।

बच्चों को मनमर्जी किताबें बढ़ाई जा रही हैं और होमवर्क भी दिया जा रहा है। प्रत्येक स्कूल को नोटिस बोर्ड एवं कक्षा में बस्ते के वजन का चार्ट लगाना थे, लेकिन किसी भी स्कूल ने यह चार्ट नहीं लगाया है। हालांकि कुछ स्कूलों में छोटी कक्षाओं में बस इसका पालन किया जा रहा है।

जिम्मेदार अधिकारी अभी भी बेपरवाह

राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए हर महीने का रिकॉर्ड भी रखने की बात कही थी। इसके साथ ही इसकी सघन मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए थे, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अभी भी बेपरवाह ही हैं। वे अब तक स्कूल बैग पालिसी-2020 का पालन नहीं करा पाए हैं। हर साल की तरह इस साल भी आदेश जारी कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया गया। नतीजा, छोटे-छोटे बच्चे भारी बस्ते का वजन ढोने को मजबूर हो रहे हैं।

यह है पूरा मामला

दरअसल, स्कूल बैग पालिसी-2020 के पालन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किए थे। जारी आदेश के अनुसार, स्कूल बैग पॉलिसी के तहत छठवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों को प्रतिदिन एक घंटा और नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को रोजाना अधिकतम दो घंटे का ही होमवर्क दिया जाए। इसके अलावा स्कूलों को एक चार्ट लगाना होगा, जिसमें क्लास के हिसाब से स्कूल बैग का वजन लिखा हो। इसके लिए विभाग ने फार्मेट भी जारी किया गया है। सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों को किसी भी तरह का होमवर्क नहीं दिया जाएगा। वहीं तीसरी से पांचवीं तक के छात्र-छात्राओं को हर हफ्ते अधिकतम दो घंटे का ही होमवर्क दिया जाएगा।

अटकी आरटीई की प्रक्रिया, अब 29 अप्रैल की सुनवाई के बाद होगा प्रवेश पर निर्णय

23 हजार स्कूलों की 1.12 लाख सीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) की सीट आवंटन की प्रक्रिया अब अटक गई है। आरटीई तहत पहली लॉटरी के बाद रिक्त सीटों के लिए दूसरे चरण की लॉटरी निकाली जानी थी, लेकिन हाईकोर्ट के स्टे के बाद फिलहाल इसको स्थगित कर दिया गया है। ऐसे में इस बार प्रवेश में देरी होने की संभावना है।

दरअसल, आरटीई की प्रवेश प्रक्रिया का प्रदेश के कई सीबीएसई स्कूल विरोध कर रहे है।मामले को लेकर सीबीएसई स्कूलों के संगठन ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। मामले में अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी। हाईकोर्ट ने विवाद की स्थिति को देखते हुए राज्य शिक्षा केंद्र के 21 फरवरी के जारी आदेश पर अगली सुनवाई तक स्टे दिया है। हालांकि याचिकाकर्ता स्कूलों को आरटीई के प्रावधानों पर अमल करने के निर्देश दिए है। अब अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी। इसके बाद राज्य शिक्षा केंद्र दूसरे चरण के लाटरी की घोषणा करेगा।

73 हजार ने ही प्रवेश लिया: अब दूसरे चरण की लॉटरी अप्रैल के अंत में घोषित की जा सकती है। इसमें पहले चरण में मनपसंद सीटों पर प्रवेश नहीं ले पाए करीब 10 हजार विद्यार्थी भी शामिल होंगे। बता दें कि इस बार प्रदेश भर के करीब 23 हजार निजी स्कूलों की 1.12 लाख सीटों को प्रक्रिया में शामिल किया गा है। जिसमें से पहले चरण में 84 हजार 795 बच्चों को सीटें आवंटित की गई है। जिसमें से 73 हजार ने ही प्रवेश लिया है। अब भी 27 हजार 205 सीटें खाली है। दूसरे चरण में करीब 38 हजार आवेदक शामिल होंगे।

एलवीएस में आशीर्वाद समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

'जीवन में अनुशासन एवं नम्रता सफलता की सीढ़ी'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ विद्यालय एवं प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल गांधीनगर में सोमवार को आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के सचिव रमेश हिंगोरानी ने मां सरस्वती, गुरूनानक देव जी एवं संत हिरदारामजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

हिंगोरानी ने कहा कि जीवन में अनुशासन और नम्रता का होना सफलता की सीढ़ी है, जो विद्यार्थी अपने आप को बड़ा बताता है वह जीवन में आगे नहीं बढ़ पाता है। उन्होंनें कहा कि कक्षा 12वीं के बाद छात्राएं कॉलेज में प्रवेश लेंगी, संत कन्या महाविद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार और सुविधाएं भी दी जाती हैं।

इस अवसर पर संचालक योगेश हिंगोरानी ने कहा कि अब वे कॉलेज जा रही हैं जहां पर आपको अलग-अलग तरह का माहौल मिलेगा जिसमें आपको सामन्जस्य बना कर चलना पड़ेगा। इस अवसर पर कक्षा बारहवीं के बच्चों ने ग्यारहवीं के बच्चों को ज्ञान की ज्योति प्रदान की एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन कोमल टहिलयानी एवं पंकज उपाध्याय ने किया एवं आभार जयश्री ममतानी जी एवं नवीन नामदेव ने किया।

हनुमान जयंती पर आयोजन जिम्मेदारियों का बंटवारा

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति 23 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसकी शुरूआत 22 अप्रैल को सायं 7 बजे से भजन संध्या के साथ होगा। भजन संध्या एल्डर्स होम्स के पास रखी गई है। इस अवसर पर हनुमानजी की आरती के साथ साथ नृत्य भी किया जाएगा। 23 अप्रैल को मां गायत्री मंदिर सैनिक कॉलोनी में हनुमानजी की चोला चढ़ाया जाएगा। कार्यकर्ताओं को आयोजन को लेकर जिम्मेदारियां सौंप दी गई है।

आम नागरिकों को मिले स्वास्थ्य का अधिकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सूचना के अधिकार की तरह अब आम नागरिकों को स्वास्थ्य का अधिकार देने की मांग तेज हो गई है। जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वय संगठन ने मप्र समेत देश भर में यह मांग तेज कर दी है। इस मांग को पूरा कराने के लिए संगठन के पदाधिकारियों ने एक अभियान भी शुरू किया है, जो 14 अप्रैल तक चलेगा। उक्त अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए राजकुमार सिन्हा और अमूल्य निधि ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलब्ध में हमारा स्वास्थ्य, हमारा अधिकार की अवधारणा पर आधारित अभियान चला रहे हैं। इसमें लोगों को जोड़ेंगे और पिछले 10 वर्षों के स्वास्थ्य के क्षेत्रों में किए गए कार्यों का लेखा-जोखा देंगे।

सिंधी मेला, सम्मान समारोह सांस्कृतिक संध्या 12 को

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधु नव जागरण समिति चैतीचांद पर सिंधी मेला, सम्मान समारोह व सांस्कृतिक संध्या का आयोजन करेगी। समिति अध्यक्ष राम पारदासानी, कार्यक्रम संयोजक रमेश वाधवानी, महासचिव नरेश चोटरानी व मुख्य सलाहाकार घनश्याम लालवानी ने बताया कि , 12 अप्रैल 2024 को रात 08 बजे साधु वासवानी स्कूल ग्राउण्ड पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया है, जिसमें कोटा की गायिका दिव्या ज्योति, रीवा के पार्श्व गायक विकास गिदवानी, सिंधी पार्श्व गायिका प्रिया ज्ञानचंदानी व इंदौर की सिंधी डांस ग्रुप कशिश प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

मेट्रो एंकर | क्लब के कामों को सराहा मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष ने

लायंस क्लब का होली मिलन समारोह एवं साधारण सभा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लॉयन्स क्लब, भोपाल का होली मिलन समारोह एवं साधारण सभा संपन्न हुई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मप्र मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोहर ममतानी थे।

समारोह में ममतानी ने कहा कि लॉयन्स क्लब, भोपाल डिस्ट्रिक्ट का सबसे पुराना क्लब है एवं यह तभी से गतिविधि कर रहा है एवं जो कार्य लॉयन्स क्लब कर रहा है। वही मानव अधिकार आयोग भी मानवता की पीड़ति के कार्य कर रहा हैं।

लॉयन्स क्लब के अध्यक्ष लक्ष्मणदास मंघानी का स्वागत एवं स्मृति चिह्न भी प्रदान किया। उनका परिचय पी. डी. जी. जयपाल सचदेवा द्वारा दिया गया। आर्शीवचन पी.एम.सी. डॉ. राजानी ने दिए। मंघानी ने कहा कि इस वर्ष लॉयन्स क्लब, भोपाल ने कई अच्छे कार्य किये है। जिससे डिस्ट्रिक्ट एवं रीजन में भूरी-भूरी प्रसन्नता हुई है एवं कई अवार्ड मिले है। होली मिलन समारोह में नीता एण्ड जिम्मी बैंड द्वारा शान प्रस्तुति दी गई एवं हरिओम जटिया द्वारा. द्वारा उनका आभार व्यक्त किया गया। होली मिलन समारोह का संचालन द्वारा पी.सी. कोठारी एवं संजय गुप्ता एडवोकेट द्वारा किया गया। सभा के अंत में लॉयन्स क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट चेयर पर्सन संजय गुप्ता एडवोकेट द्वारा पॉलिथिन फ्री लोक सभा इलेक्शन की कैंपेनिंग करते हुए कपड़े की थैलियां वितरित कीं ।

चीतों को बसाने के पहले गांधी सागर अभयारण्य में वायरलैस नेटवर्क बढ़ाने की दरकार

वन कर्मियों की कमी को भी करना होगा पूरा, गांधी सागर अभयारण्य पहुंची चीता स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों ने दिए सुझाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी सागर अभयारण्य में चीतों को बसाने से पहले वायरलैस नेटवर्क बढ़ाना होगा। वन कर्मियों के खाली पदों को भी भरना होगा। ये सुझाव चीता स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों ने दिए है। ये दोनों ही कमियों के कारण चीतों की देखरेख और उनसे जुड़े प्रबंधन में संभावित परेशानियों को देखते हुए सदस्यों ने निर्देश दिए हैं। कमेटी के सदस्य हाल के दो दिनों तक गांधी सागर अभयारण्य में ठहरे थे और कई बिंदुओं पर यहां चीतों को बसाने के लिए की जा रही तैयारियों को परखा है।

उल्लेखनीय है कि गांधी सागर में चीतों की शिफ्टिंग सितंबर के अंत तक हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक चीता स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों के बीच हुई बातचीत से इस बात की जानकारी मिली है। हालांकि तैयारियां पूरी है, यह बात कमेटी के सदस्यों ने भी मानी लेकिन गर्मी का दौर शुरू हो चुका है ऐसे में चीतों को नुकसान की संभावना है। उधर जून में बारिश शुरू हो जाएगी, तब शिफ्टिंग करना संभव नहीं होगा इसलिए सितंबर के अंत तक शिफ्टिंग की जाएगी।

90 फीसद काम पूरे, सदस्यों ने जताया संतोष

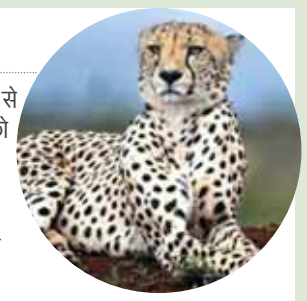

मप्र कूनो नेशनल पार्क के बाद गांधी सागर अभयारण्य में चीतों को बयाया जाना है। इसके लिए दूसरे रिजर्वों से यहां वन्यप्राणियों को शिफ्ट किया जा रहा है, ताकि शाकाहरी वन्यप्राणियों की संख्या बढ़ाई जा सके। चीतों को रखने के लिए 8 बाड़े बना लिए हैं। 21 किलोमीटर सौर ऊर्जा युक्त तार फेंसिंग का काम पूरा हो चुका है। अभयारण्य सीमा से सटे गांवों के लोगों को चीतों के बारे में बताया जा रहा है। गांधी सागर की सीमा से सटे राजस्थान के जिलों के वन अधिकारियों से भी संवाद किया जा रहा है। चीता स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य इन सभी बिंदुओं को परखने के लिए दो दिन तक गांधी सागर अभयारण्य में ठहरे थे। सदस्यों ने सुबह, शाम और दोपहर में अभयारण्य के अलग-अलग हिस्सों का दौरा और 90 फीसद काम पूरे होने पर संतोष जताया।

लोकसभा चुनाव: 88 प्रत्याशी मैदान में, सबसे अधिक 19 सतना में दिखा रहे दम

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश की 7 लोकसभा सीटों पर दूसरे चरण की वोटिंग 26 अप्रैल को होगी। इन सीटों पर कुल 88 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें सबसे अधिक सतना लोकसभा सीट से 19 प्रत्याशी मैदान में है। टीकमगढ़ (अजा) में 7 प्रत्याशी, दमोह, खजुराहो और रीवा में 14-14, होशंगाबाद में 12 और बैतूल (अजजा) में 8 प्रत्याशी मैदान में हैं।

अभ्यर्थियों के शपथ पत्र एवं अन्य जानकारियां भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट की लिंक https://affidavit.eci.gov.in/ पर सार्वजनिक अवलोकन के लिए उपलब्ध है। वहीं पहले चरण के तहत मंडला, बालाघाट, शहडोल, छिंदवाड़ा, सीधी और जबलपुर में 19 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इन सीटों पर भाजपा व कांग्रेस के बड़े नेताओं की सभाएं और रोड शो चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का आज मंगलवार को बालाघाट में दूसरा दौरा है तो सोमवार को राहुल गांधी भी सभा कर चुके हैं।

कांग्रेस का बम फूट ही नहीं रहा- सीएम

सीएम डॉ. मोहन यादव ने मुरैना लोकसभा की सबलगढ़ सीट पर भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर, ग्वालियर लोकसभा के ग्राम कुलैठ एवं बढ़ागांव में भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन सभा कीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी फुस्सी बम लेकर चल रही है। वे बम जला-जलाकर परेशान हैं, लेकिन फूट ही नहीं रहा है। उनके नेता राहुल गांधी आगे-आगे न्याय यात्रा लेकर चल रहे हैं, लेकिन पीछे-पीछे कांग्रेस का ही सफाया हो रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रदेशवासियों ने कांग्रेस को ऐसा चक्कर खिलाकर गिराया कि वे अब तक उठ ही नहीं पाए हैं। लोकसभा चुनाव की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्व प्रदेश के विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों के प्रवास पर है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 11 अप्रैल को रीवा एवं सतना प्रवास पर रहेंगे। इसी प्रकार आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मैहर, बालाघाट, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा बालाघाट, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह भोपाल, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय बालाघाट, ज्योतिरादित्य सिंधिया अशोकनगर एवं पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ग्वालियर प्रवास पर रहेंगे।

आयोग के खिलाफ अवमानना याचिका, राजन समेत कई कलेक्टरों को बनाया पार्टी

वन कर्मियों ने चुनाव आयोग के खिलाफ मप्र हाईकोर्ट में अवमानना यायिका लगा दी है। याचिका में भारत निर्वाचन आयोग के अवसर सचिव प्रकाश चंद्र गुप्ता के साथ-साथ मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी और कई कलेक्टरों को पार्टी बनाया है। सोमवार को लगाई याचिका में स्टेट फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से कहा गया है कि वन अधिकारी, कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से छूट दी जानी थी तब भी कई जिला निर्वाचन अधिकारियों ने ड्यूटी लगा दी। आवेदनों के माध्यम से ड्यूटी नहीं लगाने और पूर्व में दिए गए निर्देशों का पालन करने की मांग की तब भी ध्यान नही दिया।

असल में सुप्रीम कोर्ट की केंद्रीय साधिकार समिति और चुनाव आयोग ने वन अधिकारी, कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से अलग रखने के निर्देश दिए थे। जिसका पालन नहीं किया गया। एसोसिएशन हाईकोर्ट गया था। जिस पर हाईकोर्ट ने भी ड्यूटी नहीं लगाने के निर्देश दिए थे। तब भी भोपाल, रायसेन, सागर, छिंदवाड़ा समेत कई जिलों में वन कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। अवमानना याचिका लगाने की पुष्टि अध्यक्ष शिशुपाल अहिरवार और उनके अधिवक्ता अंकित मिश्रा ने की है।

15 जिलों में चुनाव ड्यूटी से दी छूट

इधर प्रदेश के सीहोर, खंडवा, पन्ना, टीकमगढ़ सहित 15 से अधिक जिलों में वन कर्मियों को चुनाव ड्यूटी से राहत दे दी है। ऐसे जिलों के कलेक्टरों को याचिका में पार्टी नहीं बनाया है, लेकिन जिन्होंने ड्यूटी लगाई और आवेदन देने के बावजूद भी छूट नहीं दी उन सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों को पार्टी बनाया है।

राहुल बोले- युवाओं को राशि आदिवासियों को 'सत्ता'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शहडोल व मंडला में चुनाव सभा को संबोधित किया और वादा किया कि कांग्रेस की सरकार युवाओं को एक लाख रूपये सालाना देगी तथा सरकार बनते ही एक साल के अंदर आदिवासियों को जमीन, जल और जंगल का अधिकार मिलेगा।

भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा अपने चुनाव क्षेत्र में सभा के दौरान।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ग्वालियर चंबल अंचल की चुनाव सभा में।

आरटीई: बच्चों को पढ़ाने से इनकार करने पर मानव अधिकार आयोग ने मांगा जवाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के दो नामी स्कूलों के खिलाफ शिकायत हुई है। आरोप है कि इन स्कूलों ने आरटीई के तहत बच्चों को पढ़ाने से इनकार कर दिया था। अब मानव अधिकार आयोग ने इस मामले में स्कूल संचालकों से जवाब मांा है। मामले में संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग के सदस्य राजीव कुमार टंडन ने आयुक्त, लोक शिक्षण, डीपीआई, शिक्षा विभाग से आरटीई के तहत इस वर्ष किन-किन स्कूलों ने प्रवेश नहीं दिया गया है और उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है, इस संबंध में प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है। बताया जाता है कि राजधानी के सागर पब्लिक स्कूल व सेंट फ्रांसिस स्कूल द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) तहत पहले चरण में आवंटित सीटों पर प्रवेश देने से मना करने मना कर दिया था। इन निजी स्कूल ने पहले से प्रवेशित बच्चों को भी पढ़ाने से मना कर दिया है। अभिभावकों ने इस संबंध में जिला शिक्षा केंद्र शिकायत की थी।

प्रशिक्षण से गायब रहने वाले कर्मचारियों को मिलेंगे नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के 8 सेंटरों पर एक अप्रैल से सुबह 11 से शाम 4 बजे तक 16 हजार 245 अधिकारी-कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। शहर में 6 दिन की चुनावी ट्रेनिंग से 600 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी गायब रहे। इनकी लिस्ट कलेक्टर को दी जाएगी। ऐसे कर्मचारियों को जिला प्रशासन नोटिस देने की तैयारी में है। इसके बाद अनुपस्थित कर्मचारियों को सस्पेंड भी किया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को लोकसभा चुनाव की जानकारी दी गई। उन्हें इवीएम मॉक पोल, वोटिंग, मतदान सामग्री लेने से लेकर जमा कराने तक की ट्रेनिंग दी गई। ट्रेनिंग में उन्होंने क्या सीखा इसका वे एग्जाम भी दे रहे हैं। परीक्षा में फेल होने वाले कर्मचारी को फिर से ट्रेनिंग भी दी गई है। ट्रेनिंग से 600 से अधिक कर्मचारी गायब भी हैं। इन्हें नोटिस देने की तैयारी है।

कॉलेजों की फीस तय कराने आवेदन 30 तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की फीस तय कराने के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 30 अप्रेल है। इसके लिए कॉलेज संचालक प्रवेश एवं शुल्क नियामक समिति (एएफआरसी) की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। कमेटी के ओएसडी देव आनंद हिंडोलिया ने बताया कि फीस कमेटी कॉलेज की कॉस्ट ऑफ एजुकेशन को देखते हुए फीस तय करेगी। कमेटी यह देखेगी कि कॉलेज जितनी फीस की मांग कर रहे हैं, वह उतना छात्र की शिक्षा पर खर्च भी कर रहे हैं या नहीं।

बरकतउल्लाह विवि ने 10 तक बढ़ाई परीक्षा फॉर्म की तारीख

भोपाल. बीयू ने बीए, बीकॉम और बीएससी के परीक्षा फॉर्म जमा करने की तारीख 10 अप्रेल तक बढ़ा दी है इससे पहले इसकी आखिरी तारीख 1 अप्रेल थी। बता दें कि विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म जमा करने से पहले अपार आईडी बनाना है।

मेट्रो एंकर पहली बार यूजी सीयूईटी यूजी की परीक्षा के लिए दो ऑप्शन

20 अप्रैल तक यूजीसी जारी करेगा टाइम टेबल, इस बार ऑनलाइन और ऑफलाइन होगी परीक्षाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इस बार सीयूईटी यूजी परीक्षा के लिए छात्रों के पास ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन का ऑप्शन रहेगा। विद्यार्थियों को 20 अप्रैल तक यह पता चल जाएगा कि उनके परीक्षा की तारीख क्या है और उन्हें ऑनलाइन पेपर देना हैं या ऑफ लाइन। पिछले वर्ष बीयू में करीब 2 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। इस साल भी इनकी संख्या इसी के आसपास बताई जा रही है, वहीं केंद्रीय संस्कृत संस्थान में भी इस बार सीयूईटी के माध्यम से ही प्रवेश होंगे। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी में इस बार भी एलएलबी सहित 10 स्ट्रीम में सीयूईटी के माध्यम से ही प्रवेश दिया जाएगा।

इन भाषाओं में होगी परीक्षा

जानकारी के अनुसार 13 भाषाओं में परीक्षा होगी। इनमें असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, पंजाबी, उड़िया, तमिल, तेलुगू और उर्दू में परीक्षा होगी। आप किस भाषा में सीयूईटी एग्जाम देना चाहते हैं, यह आपको आवेदन में स्पष्ट करना होगा।

टेस्ट पेपर में हो सकते हैं शामिल

सीयूईटी यूजी 2024 में कुल सब्जेक्ट्स की संख्या 61 है। इनमें से 33 लैंग्वेज सब्जेक्ट, 27 डोमेन स्पेसिफिक और 1 जेनरल टेस्ट पेपर होगा। आप एक साथ ज्यादा से ज्यादा 6 टेस्ट पेपर (4 या 5 डोमेन सब्जेक्ट, 1 या 2 लैंग्वेज सब्जेक्ट) के लिए अप्लाई कर सकते हैं और एग्जाम दे सकते हैं। पिछले साल तक ये संख्या टोटल 10 थी। एनटीए ने सलाह दी है कि कैंडिडेट कम से कम एक लैंग्वेज एंड जेनरल टेस्ट पेपर जरूर चुनें।

सुविचार

''नफरत को हजार मौके दो कि वो प्रेम में परिवर्तित हो जाए, लेकिन प्रेम को एक भी मौका मत दो,कि वो नफरत में बदल जाए।''

-अज्ञात

संपादकीय

हर बार आरोप की प्रवृत्ति अनुचित

राजनीति में अक्सर यह देखा जाता रहा है कि किसी आपराधिक या अन्य अजब घटनाओं को राजनीतिक रंग देने में देर नहीं की जाती है। लेकिन अब नया चलन यह है कि घटनाओं की जांच करने वालों पर भी सवाल उठते हैं, टाइमिंग पर गौर किया जाता है और कहीं कहीं तो जांच दल पर हमले की संस्कृति भी विकसित हो चुकी है। इस मामले में पश्चिम बंगाल सबसे आगे है। ताजा उदाहरण राष्ट्रीय जांच एजंसी यानी एनआइए के दल पर स्थानीय लोगों का हमला है। इसके ही दो महीने पहले इसी तरह संदेशखाली में प्रवर्तन निदेशालय के जांच दल पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था,अफसर भागते नजर आये थे। अब मिदनापुर जिले के भूपतिनगर में एनआइए कर्मी करीब सवा साल पहले वहां हुए एक बम विस्फोट के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने जब गए थे तभी स्थानीय लोगों ने उन पर हमला कर दिया। जांच दल की गाड़ियों के कांच टूट गए। इस घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह कह दिया कि जांच दल को रात में वहां जाने की क्या जरूरत थी। क्या उन्हें यह पता नहीं था कि रात के अंधेरे में गांव वाले अनजान लोगों को देख कर हमलावर हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पता नहीं, एनआइए ने स्थानीय पुलिस से सहयोग लिया था या नहीं। जबकि एनआइए अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने स्थानीय पुलिस से सहयोग मांगा था, पर स्थानीय पुलिस का रवैया सहयोगी नहीं रहा। ममता ने यह भी पूछा है कि चुनाव के वक्त में इस तरह गिरफ्तारियां करने की आखिर वजह क्या है। यह बात झारखंड और दिल्ली राज्य के मुख्यमत्री व अन्य नेताओं से भी सीधे जुड़ जाती है। बहरहाल, बंगाल में जिस व्यक्ति को गिरफ्तार करने गई थी, वह ममता की तृणमूल कांग्रेस का नेता है। अब ममता बनर्जी इस घटना को भाजपा के उकसावे पर की गई कार्रवाई भले बता रही हैं मगर यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी इस तरह अपने किसी नेता या कार्यकर्ता के पक्ष में सीधे मैदान में कूद पड़ी हो। वे तो एक बार अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में सीधे थाने में पहुंच गई थीं। राज्य के आला पुलिस अफसर की अनियमितताओं के खिलाफ जब सीबीआइ ने पूछताछ की कोशिश की थी, तब भी वे धरने पर बैठ गई थीं। चुनावी हिंसा के मामलों में भी वे अक्सर अपने कार्यकर्ताओं का बचाव और भाजपा कार्यकर्ताओं के उपद्रव पर तल्खबयानी करती रही हैं। यह ठीक है कि भाजपा और तृणमूल के बीच सियासी रस्साकशी बीते छह साल से बहुत तीखी हो चली है। यह अक्सर केंद्र-राज्य संबंधों में टकराव बनकर भी उभरती है, मगर आपराधिक घटना को सियासी रंग देने से राज्य की कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है। नतीजा यह होता है कि राजनीतिक दलों के बीच हिंसा और प्रतिहिंसा का दौर लगातार चलता रहता है। बम विस्फोट के जिस मामले में एनआइए जांच कर रही है, उसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। यह राज्य सरकार की भी चिंता का विषय होना चाहिए कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां इतना ताकतवर बम कैसे पहुंचा। वैसे भी बंगाल में चुनाव के दौरान तो व्यापक हिंसा देखी जाती है। इस समय आम चुनाव का दौर है और ममता अगर एनआइए जांच में सहयोग करने के बजाय इसके पीछे भाजपा का हाथ बता रही हैं, जो जाहिर है, उनके कार्यकर्ताओं को उकसावा ही मिलेगा।इसका असर कानून व्यवस्था पर पड़ेगा और अंततः घूमफिरकर फिर ममता सरकार पर ही सवाल उठेंगे।

आज का इतिहास

- 1824-भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों में से एक राम सिंह पठानिया का जन्म।
- 1825-हवाई में पहला होटल खोला गया।
- 1868-इथियोपिया में ब्रिटिश और भारतीय सेना ने टेवॉड्रोज़ द्वितीय की सेना को हराया और इस युद्ध में 700 इथियोपियन मारे गये, जबकि सिर्फ़ दो ब्रिटिश-भारतीय सैनिक शहीद हुए।
- 1875-स्वामी दयानंद सरस्वती ने मुबंई में आर्य समाज की स्थापना की।
- 1889-रामचंद्र चटर्जी गर्म गुब्बारे में उड़ान भरने वाले पहले भारतीय बने।
- 1894-भारत के उद्योगपति, स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी तथा बिड़ला परिवार के एक प्रभावशाली सदस्य घनश्यामदास बिड़ला का जन्म।
- 1909-भारतीय वैज्ञानिक नौतम भट्ट का जन्म।
- 1917-महात्मा गाँधी ने बिहार में 10 अप्रैल, 1917 को'चंपारण सत्याग्रह'की शुरुआत की।
- 1928-परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक मेजर धनसिंह थापा का जन्म।
- 1988-महान सेटो ब्रिज जापान में यातायात के लिए खोला गया।
- 1995-भारत के एक स्वाधीनता सेनानी और छठे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का निधन।
- 1998-उत्तरी आयरलैंड में कैथोलिक एवं प्रोटेस्टेंटों के मध्य समझौता सम्पन्न।
- 1999-भारत और पाकिस्तान के दो शीर्ष औद्योगिक संघों ने भारत-पाकिस्तान चैम्बर्स ऑफ कामर्स का विधिवत गठन किया।
- 2000-पाकिस्तान को निर्गुट संगठन से निकालने का भारत का प्रस्ताव गुटनिरपेक्ष देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में मंजूर।
- 2001-भारत व ईरान के बीच तेहरान घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर।
- 2002-15 सालों में पहली बार एलटीटीई के सुप्रीमो वी. प्रभाकरण ने प्रेस कांफ्रेस में भाग लिया।
- 2003-इराक पर अमेरिका का कब्जा।
- 2005-महिला क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने 98 रन से भारत को हराया।
- 2007-अमेरिका के चार्ल्स सिमोनी अंतरिक्ष में पर्यटन के लिए पहुँचे।
- 2008-सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्रीय शिक्षण संस्थाओं और केन्द्र सरकार से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अन्य पिछड़े वर्गों के छात्रों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को संवैधानिक करार दिया।
- 2014-सीरिया के अलेप्पो में 88 नागरिक युद्धक विमानों के बम द्वारा मारे गए।
- 2016-केरल के कोल्लम जिले के पुत्तिलिंग मंदिर में भीषण आग से करीब 110 लोगों की मौत , 300 से ज्यादा लोग घायल।

निशाना

मनोरंजन भरपूर !

- कृष्णेन्द्र राय

राजनितिक उथल-पुथल ।
बदल रही तस्वीर ।।
हर पल नया घट रहा ।
लगे हैं सारे वीर ।।
बदलेगी सरकार लगता ।
है ऐसी सुर ताल ।।
हैं बेचैन सारे ।
करने को कमाल ।।
घटनाक्रम कुछ ऐसा ।
मनोरंजन भरपूर ।।
दिख जाएगा खेला ।
पल नहीं वो दूर ।।
बोल बचन सबका ।
है चढ़ा परवान ।।
हटा न कोई पीछे ।
सब डटे मैदान ।।

आखिर एक काल के दो अलग वर्ष क्यों? क्या है कारण? कैसा होता है प्रभाव?

जयसिंह रावत

पहले अप्रैल को नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही सरकारों और व्यापार जगत की नई वित्तीय गतिविधियां भी शुरू हो गईं। वे वित्तीय खाते जो 31 अगस्त को बंद हो गए थे फिर खुल गए। जबकि नया कैलेंडर वर्ष तीन माह पहले 1 जनवरी को शुरू हो चुका था। ग्रेगोरियन कैलेण्डर के हिसाब से इन दोनों ही प्रकार के वर्षों में सामान्य एक साल 356 दिन का और हर एक चार साल बाद 29 दिन की फरवरी वाला साल 366 दिन का होता है, इसलिए सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि आखिर ये दोनों ही वर्ष 1 जनवरी से शुरू क्यों नहीं होते हैं? यद्यपि विभिन्न संस्कृतियों के नए साल अलग-अलग दिन शुरू होते हैं। दरअसल, अधिकतर देश ग्रगोरियन वर्ष के साथ ही सरकारी कामकाज और वित्तीय प्रबंधन के लिए अलग फिस्कल इयर या वित्तीय वर्ष को भी अपनाते हैं। जाहिर है कि वैश्विक स्तर पर दोनों ही तरह के वर्ष महत्वपूर्ण और जुड़वा हैं। वित्तीय नियोजन और प्रबंधन के लिए जरूरी है वित्तीय वर्ष कैलेंडर वर्ष और वित्तीय वर्ष मुख्यतः ऐतिहासिक, प्रशासनिक और व्यावहारिक कारणों से भिन्न होते हैं। कैलेंडर वर्ष समय का एक सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त माप है। जबकि वित्तीय वर्ष व्यवसायों और सरकारों द्वारा उनकी परिचालन और वित्तीय आवश्यकताओं के साथ-साथ नियामक आवश्यकताओं के साथ बेहतर तालमेल के लिए चुना जाता है। कैलेंडर वर्ष का प्राचीन काल से समय का पता लगाने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया गया है। यह सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की कक्षा के साथ संरेखित होता है, जिसमें 365 या 366 दिन होते हैं। दूसरी ओर वित्तीय वर्ष की आवश्यकता सरकारों और व्यवसायों को अक्सर रिपोर्टिंग कर उद्देश्यों, बजट और वित्तीय नियोजन के लिए अपने वित्त को व्यवस्थित करने की आवश्यकता होती है। प्रशासनिक सुविधा के लिए वे ऐसे वित्तीय वर्ष चुन सकते हैं जो उनके परिचालन चक्र, राजस्व पैटर्न या लेखांकन प्रथाओं से बेहतर मेल खाते हों। वित्तीय वर्ष अक्सर प्राकृतिक व्यापार चक्र या राजस्व पैटर्न के साथ मेल खाने के लिए चुने जाते हैं। सरकारें अपने वित्तीय वर्षों को विधायी चक्रों या आर्थिक चक्रों के साथ संरेखित करती हैं।

वित्तीय वर्ष आर्थिक प्रशासन का एक महत्वपूर्ण घटकवित्तीय वर्ष आर्थिक प्रशासन का एक महत्वपूर्ण घटक है जो सरकारों, व्यवसायों और संगठनों को वित्तीय योजना, रिपोर्टिंग और निर्णय लेने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। सरकारों को कर कानूनों और विनियमों के लिए संस्थाओं को कैलेंडर वर्ष से भिन्न वित्तीय वर्ष के आधार पर अपनी वित्तीय गतिविधियों की रिपोर्ट करने की आवश्यकता होती है। यह उचित कर मूल्यांकन, राजस्व संग्रह और नियामक अनुपालन की व्यवस्था करता है। विभिन्न देशों और क्षेत्रों में सांस्कृतिक, कानूनी या आर्थिक कारकों के आधार पर वित्तीय वर्ष को परिभाषित करने के लिए अलग-अलग परंपराएं हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ देश कैलेंडर वर्ष को अपने वित्तीय वर्ष के रूप में अपनाते हैं, जबकि अन्य अलग-अलग अवधि जैसे 1 अप्रैल से 31 मार्च या 1 जुलाई से 30 जून तक का उपयोग कर सकते हैं। प्राचीन सभ्यताओं में भी वित्तीय वर्ष की व्यवस्थाहालांकि, वर्ष प्रारंभ तिथि अलग-अलग देशों में अलग-अलग हो सकती है लेकिन वित्तीय वर्ष के अंतर्निहित सिद्धांत दुनिया भर में एक समान रहते हैं।वित्तीय वर्ष की जड़ें मेसोपोटामिया, मिस्र, ग्रीस और रोम जैसी प्राचीन सभ्यताओं में खोजी जा सकती हैं। इन समाजों में वित्त और कराधान के प्रबंधन के लिए अल्पविकसित प्रणालियां थीं, जो अक्सर कृषि चक्रों पर आधारित होती थीं। प्राचीन रोम में वित्तीय वर्ष मूल रूप से 1 मार्च को शुरू होता था जो कि चंद्र कैलेंडर पर आधारित था।

45 ईसा पूर्व जूलियस सीजर द्वारा जूलियन कैलेंडर की शुरुआत के साथ 1 जनवरी नागरिक वर्ष की शुरुआत मानी गई। लेकिन वित्तीय वर्ष स्थानीय प्रथाओं के आधार पर बदलता रहा। मध्य युग के दौरान विभिन्न यूरोपीय देशों ने वित्तीय प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रणालियों का उपयोग किया। उदाहरण के लिए इंग्लैंड में वित्तीय वर्ष मूल रूप से 25 मार्च को शुरू होता था जिसे लेडी डे के रूप में जाना जाता था जो कि घोषणा का पर्व था। भारत के लिए अनुकूल वित्त वर्ष का समयसन 1947 में भारत को आजादी मिलने के बाद, वित्तीय वर्ष काफी हद तक अपरिवर्तित रहा। समय के साथ देश की आर्थिक और प्रशासनिक आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए भारतीय वित्तीय वर्ष में विभिन्न संशोधन और समायोजन किए गए। यह राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर बजट, कराधान, वित्तीय रिपोर्टिंग और आर्थिक योजना के लिए एक महत्वपूर्ण अवधि के रूप में कार्य करता है। अप्रैल-मार्च की अवधि हिंदू नव वर्ष के साथ मेल खाती है, जो भारतीय वित्तीय वर्ष के अप्रैल में शुरू होने का एक प्रमुख कारण है। हिंदू नववर्ष चंद्र कैलेंडर पर आधारित है। यह आमतौर पर मार्च या अप्रैल में पड़ता है, जो भारत के वित्तीय वर्ष के साथ मेल खाता है। अप्रैल-मार्च वित्तीय वर्ष भारत में कृषि फसल चक्र के साथ संरेखित होता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का प्रमुख योगदान है। वित्तीय वर्ष के साथ भारतीय फसल मौसम का संयोग यह है कि भारतीय कृषि चक्र मानसून के मौसम से निकटता से जुड़ा हुआ है, जो जून से सितंबर तक होता है। वित्तीय वर्ष की शुरुआत अलग-अलग देशों में सन 1582 में पोप ग्रेगरी द्वारा ग्रेगोरियन कैलेंडर की शुरूआत ने अधिकांश पश्चिमी दुनिया में उपयोग की जाने वाली कैलेंडर प्रणाली को मानकीकृत किया। हालांकि, वित्तीय वर्ष की शुरुआत अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में अलग-अलग होती रही। आधुनिक राष्ट्रों के उदय और केंद्रीकृत सरकारों के विकास के साथ वित्तीय प्रथाओं में मानकीकरण पर जोर दिया गया। कई देशों ने ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुरूप होने के लिए 1 जनवरी को वित्तीय वर्ष की शुरुआत के रूप में अपनाना शुरू कर दिया। 20वीं सदी में वित्तीय वर्ष की अवधारणा अधिक औपचारिक हो गई, सरकारों ने राजकोषीय योजना, बजट और कराधान के लिए स्पष्ट दिशा निर्देश स्थापित किए। हालांकि, कुछ देश अभी भी ऐतिहासिक या सांस्कृतिक कारणों के आधार पर वैकल्पिक वित्तीय वर्ष के अंत को बनाए रखते हैं।

वित्तीय वर्ष की शुरुआत 1 अप्रैल से ही क्यों?-कुछ देशों में वित्तीय वर्ष की शुरुआत के लिए 1 अप्रैल को चुनने का ऐतिहासिक या सांस्कृतिक महत्व होता है। उदाहरण के लिए भारत में जहां वित्तीय वर्ष परंपरागत रूप से 1 अप्रैल से शुरू होता है। यह हिंदू नववर्ष और कृषि फसल के मौसम के साथ संरेखित होता है। 1 अप्रैल कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही की शुरुआत में पड़ता है। इस समय वित्तीय वर्ष शुरू करने से व्यवसायों और सरकारों को अपने बजट, योजना और रिपोर्टिंग चक्रों को एक नई वित्तीय अवधि की शुरुआत के साथ संरेखित करने का अवसर मिलता है। सरकारें कराधान और विनियामक कारणों से वित्तीय वर्ष की शुरुआत के रूप में 1 अप्रैल का चयन करती हैं। यह वित्तीय वर्षों के बीच सहज बदलाव का उचित समय माना जाता है और कर संग्रह और रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाता है।

1 अप्रैल कुछ देशों में कुछ आर्थिक चक्रों या मौसमों के अंत के साथ मेल खाता है, जिससे यह वित्तीय वर्ष के लिए एक तार्किक प्रारंभिक बिंदु बन जाता है। ब्रिटेन का साल का पहला दिन 25 मार्च था अट्ठारहवीं सदी में ब्रिटिश सरकार ने ग्रेगोरियन कैलेंडर का उपयोग करना चुना। लेकिन, ऐसा करने से पहले, उन्होंने नए साल की तारीख को बदलकर 1 जनवरी करने का फैसला किया। तब तक साल का पहला दिन हमेशा 25 मार्च होता था, जिसे लेडी डे के नाम से भी जाना जाता है। इंग्लैंड और दुनिया भर के उसके उपनिवेशों में वित्तीय वर्ष 25 मार्च से 31 दिसंबर तक होता था। लेकिन 1752 में अंग्रेजी सरकार 1 जनवरी से नया साल शुरू करने पर सहमत हो गई। लेकिन वहां के अकाउंटेंटों को लगा कि तारीख बदलना अन्याय होगा और उन्होंने इसके खिलाफ विद्रोह कर दिया। अतः वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से माना जाता रहा।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

लोकतंत्र को कमजोर करती है अवसरवादी राजनीति

ललित गर्ग

कांग्रेस में लगातार वफादार नेताओं का पलायन जारी है, नये नामों में कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ, महाराष्ट्र के जिम्मेदार एवं पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम, बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, निशाना साधने वाले मुक्केबाज विजेंदर, आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं, जिन्होंने कांग्रेस को बाय-बाय कर दी है। इन सभी ने कांग्रेस के मुद्दाविहीन होने, मोदी के विकसित भारत के एजेंडे, राहुल गांधी की अपरिपक्व राजनीति एवं कांग्रेस की सनातन-विरोधी होने को पार्टी से पलायन का कारण बताया है। कुछ भी कहे, यह राजनीति में अवसरवाद का उदाहरण है, इस तरह का बढ़ता दौर चिंताजनक है। भारत की राजनीति में दलबदल की विसंगति एवं विडम्बना आजादी के बाद से लगातार देखने को मिलती रही है। पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं। दलबदल के बढ़ते दौर ने अनेक सवाल खड़े किये हैं। कल तक विपक्ष में जो नेता दागी होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद ऐसा क्या हो जाता है कि उनके दाग दाग नहीं रहते। राजनीति में निष्ठाएं बदलने की स्थितियां आम नागरिकों को उद्वेलित कर रही हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है।

हर बार चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों में 'आयाराम-गयाराम' का खेल शुरु हो जाता है। विभिन्न दलों के प्रभावी नेताओं को अपने दल में शामिल कराने की होड़ मची है, कभी कोई एक दल बाजी मारती हैं तो कभी कोई दूसरा दल। सभी सेलिब्रिटी आखिर सत्ता की तरफ ही क्यों भागते हैं? पूर्व न्यायाधीश हो, पूर्व अधिकारी हो, अभिनेता हो या खिलाड़ी राजनीति में अपना भविष्य आजमाते रहे हैं। अगर भाजपा की विचारधारा किसी विजेंदर, गौरव या अनिल शर्मा जैसे लोगों हो क्यों अच्छी लगती है तो सवाल यह भी है कि पिछले पांच साल तक वे कांग्रेस में क्यों रहे? ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है जो गत वर्ष के अंत में हुए विधानसभा चुनावों में एक पार्टी के चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार थे तो अब दूसरी पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर मैदान में उतरते दिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इनदिनों भाजपा में जो विभिन्न दलों के तीस के लगभग राजनेता शामिल हुए हैं उनमें कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना, टीएमसी, टीडीपी, एसपी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता शामिल हैं। क्या यह भाजपा के निश्चित जीत की संभावनाओं का परिणाम है या केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के डर का परिणाम है। निश्चिय ही यह स्थिति किसी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये शुभ नहीं कही जा सकती।

देश में लंबे समय से चुनाव सुधारों पर चर्चा चल रही है लेकिन चर्चा इस पर भी होनी चाहिए कि दलबदल का बढ़ता दौर कैसे रूके। राजनीति एवं राजनेताओं में नीति एवं सिद्धान्तों की बात प्रमुख होनी चाहिए लेकिन ऐसा न होना लोकतंत्र की बड़ी विसंगति है। राजनीति में सबकुछ जायज है वाली सोच एवं स्वार्थ की नीति दुर्भाग्यपूर्ण है। चुनाव का समय हर राजनेता के लिये अपने हित एवं स्वार्थ को चुनने का समय होता है, लेकिन उनके सामने लोकतंत्र के हिताहित का प्रश्न बहुत गौण हो जाता है। चुनावों में आचार संहिता के चलते कई प्रतिबंध लागू हो जाते हैं, लेकिन राजनीति में में दल-बदल पर नियंत्रण का कहीं कोई प्रावधान ही नहीं है, जबकि यह लोकतंत्र की जीवंतता एवं पवित्रता के लिये प्राथमिकता होनी चाहिए। सत्ता का स्वाद ही ऐसा होता है कि कोई भी राजनेता इससे अछूता नहीं रहता। इसीलिए आजकल दल बदलने का दौर खूब हो रहा है। यह बात दूसरी है कि ज्यादातर नेताओं में भाजपा का दामन थामने की होड़ मची है। एक दिन पहले भाजपा पर निशाना साधने एवं जीभर कर कोसने वाले नेताओं को एकाएक भाजपा इतनी अच्छी क्यों लगने लगती है? भाजपा को भी सोचना चाहिए कि आखिर ये अवसरवादी नेता जबभी उनके अनुकूल नहीं हुआ तो उसे भी बाय-बाय कर देंगे? भाजपा को यह भी देखना चाहिए कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर चंद घंटों पहले पार्टी में शामिल होने वाले को टिकट देना कहां तक उचित है। दलों को विचार करना ही होगा कि राजनीति के मायने चुनाव जीतना भर ही है या फिर वे विचारधारा के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं को मौका देकर राजनीति को स्वस्थ रखना चाहते हैं। लोकतंत्र में जनता की आवाज की ठेकेदारी राजनैतिक दलों एवं नेताओं ने ले रखी है, पर ईमानदारी से यह दायित्व कोई भी दल एवं नेता सही रूप में नहीं निभा रहा है। ÷सारे ही दल एवं नेता एक जैसे हैं÷ यह सुगबुगाहट जनता के बीच बिना कान लगाए भी स्पष्ट सुनाई देती है। राजनीतिज्ञ पारे की तरह हैं, अगर हम उस पर अँगुली रखने की कोशिश करेंगे तो उसके नीचे कुछ नहीं मिलेगा। सभी दल राजनीति नहीं, स्वार्थ नीति चला रहे हैं।

भाजपा को अपने 400 पार के लक्ष्य को हासिल करना है, इसके लिये वह हर-तरह के समझौते कर रही है, दागी नेताओं को भी अपनी पार्टी में जगह दे रही है। ऐसे नेताओं के अपराधों पर भी परदा डाला जा रहा है। विडंबना है कि राजनीतिक निष्ठा बदलना इन नेताओं के लिये राहतकारी साबित हुआ है। वजह यह कि इन नेताओं से जुड़े अपराध के मामले ठंडे बस्ते में डाल दिये गए हैं। जबकि दलील यह दी जाती है कि मामले बंद नहीं हुए हैं, जरूरत पड़ी तो जांच और कार्रवाई भी होगी। जो विपक्ष के उन आरोपों की पुष्टि करते हैं कि यह कार्रवाई राजनीतिक दुराग्रह एवं आग्रह के रूप में की जाती रही है। यही वजह है कि दल बदलने का फैसला राहत का रास्ता मान लिया जाता है। ऐसे में आम आदमी के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि अचानक जांच एजेंसियां निष्क्रिय क्यों हो जाती हैं? क्यों किसी एजेंसी को लेकर अदालत को कहना पड़ता है कि फलां एजेंसी पिंजरे में बंद तोता है और मालिक की बोली बोलता है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दर्शाती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है। ऐसे अवसरवादी नेता फिर किसी नई पार्टी में नहीं जाएंगे इसको क्या गारंटी है? अच्छे लोग राजनीति में यदि सिर्फ पद पाने के लिए ही आए तो उसे क्या माना जाए? ऐसी जानी-मानी हस्तियां भी हैं जो आज यहां और कल वहां के उदाहरण पेश कर चुकी हैं। ऐसी सलेब्रिटी को पार्टी में शामिल होते ही टिकट से पुरस्कृत कर दिया जाता है।

राजनीतिक दलों को इस बड़ी विसंगति एवं अवसरवादिता पर विचार तो करना ही चाहिए कि आखिर कौन, किस इरादे से पार्टी में आ रहा है। ऐसे ढेरों उदाहरण मौजूद हैं कि नामी-गिरामी लोगों ने राजनीति में प्रवेश किया, टिकट भी मिला और चुनाव जीते भी। उसके बाद जनता से जुड़ ही नहीं पाए और अगले चुनाव में इनका टिकट कट गया। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो निष्पक्ष हो, ईमानदार हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजनहिताय का लक्ष्य लेकर चलने वाला हो। लेकिन स्वार्थी, अक्षम, दागी नेताओं को किसी भी दल में जगह देना यह उस दल की मजबूती एवं स्वस्थ राजनीति पर एक बदनुमा दाग है। विडम्बना है कि लोकतंत्र में सिर गिने जाते हैं, मस्तिष्क नहीं। इसका खामियाजा हमारा लोकतंत्र भुगतता है, भुगतता रहा है। ज्यादा सिर आ रहे हैं, मस्तिष्क नहीं। जाति, धर्म, स्वार्थ और वर्ग के मुखौटे ज्यादा हैं, मनुष्यता के चेहरे कम। तभी राजनीति अवसरवादिता का अखाड़ा बनती जा रही है।

यह लेखक के अपने विचार हैं।

अवैध शराब और महुआ लहान जप्त, दो आरोपी पर प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर के निर्देशन में तथा जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में सोमवार को जिले के माखननगर क्षेत्र में अबैध मदिरा को लेकर आबकारी दल द्वारा कार्यवाही की गई. दबिश दल द्वारा कुचबंदिया मोहल्ला माखन नगर में 600 किलोग्राम महुआ लहान, गुजर वाडा में 400 किलोग्राम महुआ लहान तथा मानागांव में 300 किलोग्राम महुआ लहान बरामद कर नष्ट किया. इसके अलावा बागड़ा तवा में 30 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब जप्त कर आबकारी अधिनियम की धारा 34 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया ।अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

आबकारी दल द्वारा माखननगर तथा गूजरवाडा में आरोपी कामिनी पति राहुल गौहर तथा दरबारी लाल पिता नंगे ठाकुर को आबकारी अधिनियम के अंतर्गत गिरफ्तार कर जमानत मुचलके पर छोड़ा गया. इसके अलावा नर्मदापुरम में सहायक जिला आबकारी अधिकारी राहुल ढोके के नेतृत्व में आबकारी टीम द्वारा नर्मदापुरम क्षेत्र के सब्जी मंडी क्षेत्र में तलाशी कार्रवाई की गईऔर अनिकेत पिता जुगल किशोर से 13 पाव देसी मदिरा प्लेन शराब जप्त कर आबकारी अधिनियम 34 (क) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया. आदर्श नगर में अंजना पति बैजू जाटव से 12 पाव देसी मदिरा प्लेन शराब जप्त की. आबकारी टीम द्वारा सोमवार को की गई कार्रवाई में कुल जप्त मदिरा की कीमत डेढ़ लाख रुपये बताई जा रही. अबैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही दल में सहायक जिला आबकारी अधिकारी राहुल ढोके , आबकारी उप निरीक्षक वासुदेवाचार्य त्रिपाठी , आबकारी उप निरीक्षक इटारसी नीलेश पवार , प्रधान आरक्षक रामदत्त शर्मा, आबकारी आरक्षक नर्मदा प्रसाद मेहरा, विकास लोखंडे भावना यादव के साथ नगर सैनिक राकेश चौरे शामिल रहे। जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर ने बताया कि अवैध मदिरा परिवहन , निर्माण, संग्रहण , विक्रय के विरुद्ध जिले में आबकारी विभाग द्वारा निरंतर कार्य वाही जारी रहेगी।

पुलिस ने पकड़ा 1 लाख 20 हजार रुपए का गांजा

इटारसी/ सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

आगामी लोकसभा चुनाव को निर्विघ्न संपन्न कराने व् चुनाव आचार संहिता का आदर्श पालन कराने हेतु पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरन सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) इटारसी महेन्द्र सिंह चौहान द्वारा थाना प्रभारी इटारसी गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व मे एक टीम गठित कर अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ व् रोकथाम की जा रही है। इस बीच थाने पर विश्वस्त मुखबिर से सूचना मिली की जुझारपुर केबिन से इटारसी में दो व्यक्ति गांजा खपाने की फिराक में काले रंग की मोटर साइकिस से आने वाले है। सुचना पर थाना प्रभारी इटारसी द्वारा तत्काल एक टीम का गठन कर, ग्बाल बाबा से गोंची तरोंदा मार्ग पर वैष्णवी कालोनी के सामने रोड पर नाकाबंदी कर मुखबिर के बताये हुलिये के काले रंग की मोटर साइकिल से दो व्यक्ति आते दिखे जिनको रोककर चेक करने पर उनके कब्जे से मोटर साइकिल चालक के बैग में रखा 4.134 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा एवं मोटर सायकिल पर पीछे बैठे व्यक्ति के बैग में रखा 3.144 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। जप्त मादक पदार्थ 7 किलो 278 ग्राम जिसकी कीमती करीब 1 लाख 20 हजार रु0 एवं एक मोटर साइकिल किमती 1लाख रु0 की कुल मसरुका 2 लाख 20 हजार रुपये का जप्त करने में सफलता हासिल की है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना इटारसी में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। जिसमे भूपेन्द्र पिता विश्वनाथ आसरे उम्र 25 वर्ष नि0 नाला मोहल्ला इटारसी, शरद अहरिवार पिता गयाप्रसाद उम्र 23 वर्ष वि0 नाला मोहल्ला इटारसी। उसे गांजा जप्त किया गया। इस पूरी कार्यवाही में निरी0 गौरव सिंह बुंदेला, उनि राहुल पटैल, सउनि संजय रघुवंशी, प्र0आर0 प्रदीप चौधरी, नर्मदाप्रसाद, आर0 हरीश डिगरसे, राजेश पवार, जयप्रकाश पाठे अभिषेक नरवरिया, मनीष पवार, रविन्द्र उइके की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

साक्षरता ब्रांड एंबेसडर डॉ.मयंक तोमर ने नेहरू पार्क में मतदाता जागरूकता अभियान में दिलाई शपथ

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं साक्षरता ब्रांड एंबेसडर डॉ.मयंक तोमर ने नेहरू पार्क में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया और स्वीप कार्यक्रम के तहत आगामी लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान को बढ़ावा देने की शपथ दिलाई, डॉ.तोमर की उपस्थिति में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया शहर के गणमान्य लोगों, खेल जगत की हस्तियों, सरकारी कर्मचारियों और आम जनता से मतदान की ताकत पर चर्चा की और कहा कि एक वोट बदलाव ला सकता है।

युवा संगठन रघुवंशी समाज ने रामनवमी को लेकर शुरू की तैयारी

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो।

रामनवमी महोत्सव कार्यक्रम के लिए रघुकुल युवा संगठन सकल रघुवंशी समाज की बैठक श्री राम जानकी राधाकृष्ण मंदिर नया बस स्टैंड सिवनी मालवा पर संपन्न हुई । बैठक में नगर सिवनी मालवा बानापुरा एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आये हुए रघुवंशी समाज के युवा एवं वरिष्ठ समाजसेवीओ ने भाग लिया । बैठक में एकमत होकर निर्णय लिया कि रामनवमी महोत्सव कार्यक्रम 2024 चुनावी आचार संहिता के नियमों का पूर्ण रूप से पालन करते हुए प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी रामनवमी महोत्सव कार्यक्रम विराट रूप में मनाया जायेगा। रामनवमी महोत्सव कार्यक्रम में भी रघुवंशी समाज के साथ साथ तहसील सिवनी मालवा में निवासरत सभी समाजों को भगवान श्री राम जी की विशाल शोभायात्रा में सादर आमंत्रित किया जायेगा । चुनावी आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष कार्यक्रम में संशोधन करते हुए समाजसेवी जनो ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष प्रभु श्री राम जी की विशाल शोभायात्रा वाहन रैली के रूप में निकाली जायेगी वाहन रैली के साथ साथ शोभायात्रा में डोल, बैंड, भगवान श्री राम दरबार की मनमोहक झांकी एवं आतिशबाजी भगवान श्री राम जी की विशाल शोभायात्रा में मुख्य आकर्षण के रुप में रहेंगे। विशाल शोभायात्रा वाहन रैली भगवान हनुमान जी महाराज की आरती पूजन के साथ दोपहर 3 बजे संकटमोचन हनुमान मंदिर रघुवंशी क्षात्रावास भवन से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए कल्लू चौक गांधी चौक बानापुरा शहर से निकल कर भीलट देव धरमकुन्डी चौतलाय मार्ग से श्री राम जानकी मंदिर रघुवंशी समाज धर्मशाला भवन नर्मदा तट आंवलीघाट पर भगवान श्री राम जी की महाआरती एवं रघुकुल युवा संगठन सकल रघुवंशी समाज द्वारा आयोजित विशाल भंडारे के साथ शाम 7 बजे संपन्न होगी । रघुकुल युवा संगठन सकल रघुवंशी की और से सिवनी मालवा तहसील में निवासरत सकल रघुवंशी समाज के युवाओं एवं वरिष्ठ जनो से सहर्ष रामनवमी महोत्सव कार्यक्रम में सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाए।

प्रभारी जिला प्रबंधक ने पदस्थ कर रखे हैं कर्मचारी यूनियन के सदस्य

सर्वाधिक गेहूं उत्पादक जिले में नागरिक आपूर्ति निगम में लिपिक बना जिला प्रबंधक!

रेक पॉइंट इटारसी में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के हवाले नागरिक आपूर्ति निगम की व्यवस्था

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश का सर्वाधिक गेहूं उत्पादक जिला नर्मदापुरम है. लेकिन यहां उपार्जन से संबंधित संस्था नागरिक आपूर्ति निगम में आज दिनांक तक किसी वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई. वर्तमान में पदस्थ यहां एक लिपिक को ही जिले का प्रभार सौंप रखा है. जबकि यहां पर सहायक प्रबंधक जैसे अधिकारियों की नियुक्ति पहले से है. इतना ही नहीं जिले का सबसे बड़ा रेक पॉइंट इटारसी नागरिक आपूर्ति निगम केंद्र में भी एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को केंद्र प्रभारी का प्रभार दे रखा है. बताया जाता है कि नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक पद पर जिस कर्मचारी को जिले का प्रभार सौंप रखा है वह निगम के कर्मचारी यूनियन का भी पदाधिकारी है. इस पदाधिकारी के द्वारा जिले के नागरिक आपूर्ति निगम के केंद्र में अपने निगम यूनियन सदस्यों को प्रभार दे रखा है. इटारसी जिले का महत्त्वपूर्ण रेक पॉइंट होने के बावजूद भी यहां कई महीनो से एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को प्रभारी बना रखा है.

विगत महीने इटारसी में सीएमआर चावल डिपॉजिट के दौरान कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आई थी. गुणवत्ता विहीन चावल को डिपॉजिट किया गया. सूत्रों से पता चला है कि इस गोरख धंधे में केंद्र प्रभारी ने मिलर से सांठगांठ बनाकर लक्ष्मी दर्शन का खेल साकार किया था.

नागरिकों ने मांग की है कि वर्तमान में पदस्थ लिपिक स्तर के इस प्रभारी नागरिक आपूर्ति निगम के प्रभारी प्रबंधक के कार्यकाल की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए. इनके कार्यकाल में जिले से बाहर कितना गेहूं भेजा गयाऔर किन-किन गोदाम से भेजा गया और किस स्तर का भेजा गया यह सभी जांच के बिंदु जांच में समाहित होना चाहिए.

इसमें जिला प्रबंधक की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं.

यदि वेयरहाउस केंद्र इटारसी में जमा किए गए सीएमआर चावल की गुणवत्ता की जांच की जाए तो कई चौकाने वाले तथ्य उजागर हो सकते हैं.

प्रभारी जिला प्रबंधक द्वारा जिले के केंद्रों में जाकर डिपॉजिट खाद्यान्न के निरीक्षण करने की जिम्मेदारी नहीं निभाई गई.

वर्तमान समय जिले में गेहूं उपार्जन का कार्य चल रहा है लेकिन नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक द्वारा इन उपार्जन केंद्रों की सतत निगरानी नहीं की जा रही है. उपार्जन केंद्रों में अमानक स्तर का गेंहू भी खरीदा जा रहा है.

कई उपार्जन केंद्रों पर तो तुलाई संबंधी व्यवस्था भी संदिग्ध है.

नान जिला प्रबंधक नियुक्त किए जाने की मांग.. प्रभारी के कार्यकाल की जांच हो..

संभाग के इस महत्वपूर्ण उपार्जन जिले में कई महीनो से नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक का पद खाली होने के बावजूद भी मध्य प्रदेश नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा यहां कोई अधिकारी पदस्थ नहीं किया जा रहा है.

वर्तमान समय जिस व्यक्ति को जिला प्रबंधक का प्रभार सौंप रखा है वह व्यक्ति उस पद के लायक है ही नहीं क्योंकि वह एक लिपिक स्तर का कर्मचारी है. जबकि यहां जिला प्रबंधक स्तर के अधिकारी की नियुक्ति की होनी चाहिए.

बारात का परमिट लेकर यात्रियों का परिवहन कर रही बस पर 10 हजार जुर्माना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव 2024 के तहत आदर्श आचार संहिता के परिपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार आरटीओ श्रीमति निशा चौहान के नेतृत्व में आरटीओ जांच दल द्वारा नर्मदापुरम जिले के विभिन्न मार्गो परनिरंतर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। आरटीओ द्वारा वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट, काली फिल्म, परमिट, बीमा, फिटनेस, ओवरलोडिंग,हूटर, अवैध नगदी, मादक पदार्थों आदि की जांच की जा रही है। सोमवार को इटारसी मार्ग परजाँच दल द्वारा की गई जांच में एक यात्री बस क्रमांक MP15PA0287 बारात का परमिट लेकर यात्री परिवहन करते हुए पाई गई। बस पर परमिट शर्तो के उल्लघंन मानते हुए 10 हजार का चालान काटा गया। साथ ही अन्य जांच में 10 वाहन बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के तथा 1-1 कार बिना बीमा, फिटनेस के पाए जाने पर चालानी कार्यवाही की गई तथा आगे से सभी दस्तावेज पूर्ण होने पर ही वाहन संचालन की हिदायत आरटीओ द्वारा दी गई। जांच दल में आरटीओ के साथ उदयभान शर्मा, मोहनलाल यादव, गोलू पटेल आदि शामिल रहे।

मेट्रो एंकर किसानों की आ रही चना खरीदी की समस्याओं को हल करें: तहसीलदार

वेयरहाउस में चने का स्लॉट बुक नहीं होने से सैकड़ों किसान हो रहे परेशान

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो।

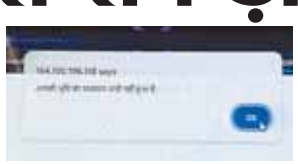

इन दिनों वेयरहाउस में किसानों का स्लॉट बुक नहीं होने से सैकड़ो किसानों को परेशान होते हुए देखा जा सकता है। क्षेत्र में रवि की फसल से वैसे ही प्राकृतिक आपदा की मार से किसान परेशान था जहां ओले, बारिश और तेज हवा के कारण गेहूं की फसल के दाने पतले पड़ गए हैं वहीं चने की फसल की कम पैदावार होने से पहले से ही किसान अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहा है वहीं दूसरी ओर अब अपनी कम पैदा हुई चने की पैदावार को समर्थन मूल्य में बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद वेयरहाउस के चयन में स्लॉट बुक करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी परेशानियों का सामना ऑनलाइन स्लॉट बुक की दुकानों पर स्लॉट बुक करते समय उन्हें एक मैसेज आ रहा है कि आपकी भूमि सत्यापित नहीं है। अब यहां पर प्रश्न इस बात का उठता है कि अगर पटवारी द्वारा गिरदावरी का सत्यापन नहीं होता तो गेहूं और चैन का रजिस्ट्रेशन भी नहीं होता किसानों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है इसका मतलब यह है कि किसान गिरदावरी पटवारी द्वारा सत्यापित की जा चुकी है उसके बाद ही रजिस्ट्रेशन होता है। अब इस स्थिति में किसानों का वेयरहाउस में स्लॉट बुक नहीं होने के कारण आज किसान परेशान है।

जब हमने इस पूरे मामले में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी संजय पाठक से बात की तो उन्होंने बताया कि इस प्रकार की समस्या आ रही हैं जिसके कारण किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है ऊपर से निर्देश है कि एक वेयरहाउस में 750 कुंटल चना खरीदने की लिमिट बनाई गई है अगर उसकी लिमिट पूरी हो जाती है तो इस प्रकार की समस्या आ रही हैं किसान अपना स्लॉट बुक दूसरे दिन करवायेगा तो वेयरहाउस में स्लाट बुक हो जाएगा।

वही इस पूरे मामले में हमने तहसीलदार राजेश खजुरिया से भी बात की तो उन्होंने भी बताया कि किसानो की इस प्रकार की समस्या आ रही है हमारे द्वारा किसानों की फसल के सत्यापन का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद में सत्यापित किया जा चुका है, सत्यापित से संबंधित कोई समस्या नहीं है किसानों को आ रही समस्याओं के लिए हमने कृषि विभाग के अधिकारियों को इस विषय में निर्देशित किया है कि वह किसानो की आ रही चना खरीदी की समस्याओं को हल करे।

अपने निवास गणेश अथाई पर विधायक शर्मा ने लगाई जनचौपाल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार दोपहर को क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने अपने स्वनिवास गणेश अथाई पर जनता दरबार लगाकर कार्यकर्ताओ एवं नागरिक गणो से भेंट की तथा उनकी समस्याओ को सुनी जिनमे से कुछ समस्याओ के समाधान मौके पर ही किये तथा शेष समस्याओ के समाधान के लिये संबधित विभागीय अधिकारियो को समस्या के तुरंत समाधान हेतू निर्देशित किया वही जानकारी के अनुसार अनेक आवेदन प्राप्त हुए ज्ञात हो कि विधायक उमाकांत शर्मा क्षेत्र की जनता की समस्याओ के निराकरण के लिये इसी प्रकार जनता दरबार लगाकर कार्यकर्ताओ एवं नागरिको गणो की समस्याओ का समाधान करने की पहल प्रारंभ की है जिसके परिणामस्वरूप कार्यकर्ता एवं नागरिक गणो की समस्याओ का समाधान सरलता से हो जाता है।

भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुई वानखेड़े और भाजपा में आए कई कांग्रेसी

सत्ता के लिए नहीं राष्ट्र, समाज और धर्म के लिए समर्पित है भाजपा: वानखेड़े

सिरोंज/पठारी, दोपहर मेट्रो।

संकल्प वेयरहाउस में मंडल स्तरीय विशाल भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। सम्मेलन में सागर सांसद प्रत्याशी, कुरवाई विधायक, भाजपा जिला अध्यक्ष की मौजूदगी में सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। राष्ट्र, समाज, धर्म और विकास के हित में भाजपा की ऐतिहासिक जीत का संकल्प लिया।

पठारी भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिनेश यादव के नेतृत्व में मंडल स्तरीय विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि सागर सांसद प्रत्याशी डॉ लता वानखेड़े, कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे, जिला अध्यक्ष डॉ राकेश जादौन, कप्तान सिंह यादव, मुकेश तिवारी ने सम्मेलन का शुभारंभ किया। जिन्होंने केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजना और भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा से अवगत कराया। इसी दौरान सांसद प्रत्याशी डॉ लता वानखेड़े ने मोदी सरकार की विभिन्न उपलब्धियां, विभिन्न योजनाओं और राष्ट्र हितेषी कार्यशैली का गुणगान किया। कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि हमें पुनः जीत का दृढ़ संकल्प दोहराना है। भाजपा कभी भी सत्ता के लिए चुनावी मैदान में नहीं आती है। बल्कि राष्ट्र, समाज, धर्म, जनकल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए संघर्ष करती है। जनता ने भाजपा पर जो भरोसा किया है। उसे पर शत प्रतिशत खरी उतर रही है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी ने जो गारंटी ली है। उन्हें पूरा करने के लिए राष्ट्र विरोधी, धर्म विरोधी, जन विरोधी और षड्यंत्रकारी विचारधाराओं से मोदी निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। राष्ट्रहित में आप सभी का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक कार्यकर्ता को घर-घर, द्वार द्वार, जाकर जन-जन से मिलन होगा। हितग्राहियों को चिन्हित करना होगा। तभी हम 400 पार का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त कर पाएंगे।

सैकड़ों कांग्रेसियों ने थामा भाजपा का दमन

भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में पठारी क्षेत्र के सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस को अलविदा कहते हुए भाजपा का दामन थाम लिया है। जिन्होंने क्षेत्र को कांग्रेस मुक्त करने का संकल्प दोहराया। जिसमें कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं वरिष्ठ जन शामिल हैं। जिसमें जिला पंचायत सदस्य मोहर सिंह ठाकुर, वरिष्ठ नेता सुधीर उपाध्याय, गिरजेश साहू कुरवाई, अजय कठरया, योगेश राठौर कुरबाई, पृथ्वी सिंह चौहान, शोएब खान, राजेश राजपूत, रविंद्र राजपूत, संजू यादव गंजबासौदा, जनपद सदस्य अहमद खान, जाकिर खान, वंद्रावठा सरपंच सूरज अहिरवार, अतुल व्यास, बिट्टू व्यास आदि अपने सैकड़ो समर्थकों, सहयोगियों, मित्रों सहित भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। इस दौरान जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि महाराज सिंह ठाकुर ,राकेश सिंघई ,अरुण सहेले, विनोद जैन, देवेंद्र सिंह ठाकुर, अमित सहेले, देवेंद्र सिंह परिहार, अंकित सोनी, अखिलेश पंथी आदि मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन कप्तान सिंह यादव ने किया। वहीं मंडल अध्यक्ष हरिनेश यादव ने आभार व्यक्त किया।

शिकायत पर लगाई फटकार

एसडीएम के निर्देश पर तहसीलदार, नायब तहसीलदार, समर्थन मूल्य केंद्रों का जायजा लेने पहुंचे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

समर्थन मूल्य केदो पर किसानों को उपज विक्रय करने में किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े किसानों के हित में एसडीएम ने कदम उठाते हुए सभी तहसीलदारों को प्रतिदिन दो-दो केंद्र देखने के लिए निर्देशित किया है।क्योंकि लगातार अधिकांश केंद्रों से शिकायत प्राप्त हो रही है की फसल पास करने के बदले में कई वसूली की जा रही है , कई जगह हमम्लो के द्वारा फसल तोलने के बदले में पैसों की मांग की जा रही दूसरी ओर चोरी छुपे रात्रि में धर्म कांटे तुलाई करवाने का काम भी किया जा रहा है । एसडीएम हर्षल चैधरी ने तहसीलदार तथा नायब तहसील को प्रतिदिन दो दो समर्थन मूल्य केदो का निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया गया है। सोमवार को तहसीलदार संजय चैरसिया ने चितवार के समर्थन मूल्य केंद्र का जायजा लेते हुए सर्वेयर को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसानों को किसी भी तरह से परेशान ना किया जाए फसल पास करने में किसी भी तरह की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए यहां पर सरसों का वरदान नहीं होने की शिकायत किसानों ने की इसके बाद तहसीलदार ने समिति प्रबंधकों को भी निर्देश दिए कि किसान परेशान ना हो वही किसानों के ट्रैक्टर ट्राली की लंबी-लंबी लाइन लगी थी जिनका व्यवस्थित रूप से लगवाने की बात कही इसके अलावा नायक तहसीलदारों ने भी अन्य समर्थन मूल्य केदो का जायजा लेते हुए समस्याएं मिलने पर केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए दूसरी ओर कई केदो पर हमम्लो के द्वारा अवैध वसूली की जा रही है।

मुख्यमंत्री कृषक जीवन योजना के तहत दिए 4 लाख

सिरोंज। मसानिया रोड पर स्थित अपनी जमीन के बगीचे में पानी देते समय किसान जितेंद्र कुशवाहा उम्र 28 साल की बिजली का करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। जिसके बाद मृत्यु की पत्नी सविता बाई ने मुख्यमंत्री कृषक जीवन योजना के अंतर्गत सहायता राशि देने के लिए आवेदन एसडीएम को दिया था। जांच के बाद प्रकरण में शासन के द्वारा 400000 की राशि मंजूर की गई । सोमवार को एसडीएम हर्षल चैधरी तथा तहसीलदार संजय चैरसिया ने मृतक की पत्नी को सहायता राशि प्रदान की।

मेट्रो एंकर

मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस खरीदी केंद्र परिवर्तन करने के लिए एसडीएम ने भेजा प्रस्ताव

आगजनी के चलते कभी भी हो सकती है बड़ी अनहोनी

बेखौफ वेयरहाउस संचालक
समर्थन मूल्य खरीदी केंद्रों पर भूसे का अवैध भंडारण, हादसे का खतरा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

रविवार के अंक में हमारे संवाददाता द्वारा खबर का प्रकाशन किया था मामला गंभीर होने के कारण प्रशासन ने भी तत्काल कार्रवाई करते हुए वेहर हाउस संचालक को प्रशासन के आदेश की अवहेलना करना भारी पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है खरीदी केंद्र परिवर्तन करने के लिए एसडीएम हर्षल चैधरी ने प्रस्ताव बनाकर सोमवार को कलेक्टर शाखा खाद्य आपूर्ति को भेजते हुए मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस कुरबाई रोड पर हो रही गेहूं खरीदी केंद्र सियालपुर समिति कोड क्रमांक 2327707 में खरीदी केंद्र समाप्त करने तथा दूसरे समीप के वेयरहाउस पर खरीदारी प्रारंभ करवाने के लिए भेजा है। जिसमें उन्होंने उल्लेख किया है मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस संचालक के द्वारा बार-बार चेतावनी और नोटिस के बाद भी भूसे का स्टॉक नहीं हटाया है उल्टा प्रशासन के आदेश की धज्जियां उड़ाने का काम जरूर किया जा रहा था । यहां पर भूसे का स्टॉक होने के कारण जान माल तथा बड़ी घटना होने का खतरा हमेशा बना हुआ पहले भी यहां पर आग लगने की घटना हो चुकी थी जिसको बुझाने में कई दिन लग गए थे। फिर भी जिम्मेदारों के द्वारा समय रहते लापरवाही करने वाले वेयरहाउस संचालक पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई और यहीं पर फिर से खरीदी प्रारंभ कर दी।

किसानों की सुविधा को देखकर पास में ही बनाया जाए केंद्र

प्रशासन के द्वारा मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस की जगह पर दूसरे केंद्र पर खरीदी प्रारंभ करवाने की जो कार्रवाई प्रस्तावित की गई है इस कदम की सभी किसानों के द्वारा प्रशंसा की जा रही है। क्योंकि पहले यहां पर भूसे में आग लगने के कारण किसानों की चिंताएं बढ़ गई थी। वहीं किसानों ने बताया कि प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को इस वेयरहाउस की जगह पर पास के ही वेयरहाउस पर हमारी उपज की खरीदी करवानी चाहिए यदि दूर का केंद्र बनाया गया तो हम लोगों को परेशान भी होना पड़ेगा कृषक की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए जिम्मेदारियां को पास का केंद्र बनाना चाहिए।

नोटिस के बाद भी नहीं हटाया आभूषण

एसडीएम के द्वारा मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस संचालक को लिखित में नोटिस दिया मौखिक रूप से भी कहा फिर भी खरीदी केंद्र के पास में ही भूसे हटाने का काम नहीं अभी यहां पर भूसे का स्टॉक स्टाफ होने के कारण कभी आगजनी की घटना होने की संभावना बनी हुई है जिसको दृष्टिगत रखते हुए खरीदी केंद्र को परिवर्तित करते हुए समीप के किसी भी वेयरहाउस पर गेहूं की खरीदारी उक्त समिति के माध्यम से करवाना उचित होगा। एसडीएम ने प्रस्ताव में लिखा है मां अन्य पूर्ण वेयरहाउस पर खरीदी केंद्र के साथ भूसा रखे होने के कारण आगजनी होने पर किसी भी तरह की घटना हो सकती है इसका उत्तरदाई कौन होगा इसीलिए यहां से खरीद केंद्र परिवर्तन करना अत्यंत आवश्यक है । एसडीएम के द्वारा मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस संचालक को 2 अप्रैल को मां अन्नपूर्णा पत्र जारी करके दो दिवस के अंदर भूसा हटाने का समय दिया था उक्त समय बीत जाने के बाद भी आज तक वहां से भूसे के भंडारण को नहीं हटाया है। इस वजह से एसडीएम ने उक्त कदम उठाते हुए वेयरहाउस के खरीदी केंद्र को बदलने के लिए प्रस्ताव बनाकर जिला कलेक्टर खाद्य पूर्ति शाखा को भेजा है। जल्दी इसकी जगह पर दूसरे केंद्र पर गेहूं खरीदारी प्रारंभ होगी इसके संबंध में जल्दी ही जिला कलेक्टर कार्यालय से पत्र जारी हो सकता है ।

कई दिनों के बाद बुझा पाई थी आग

पिछले वर्ष आग लगने के कारण जिले तथा बीना रिफाइनरी से भी फायर गाड़ी को भी आग पर काबू पाने के लिए बुलाया गया था फिर भी कई दिनों तक पूरी तरह से आग नहीं बुझा पाई थी इसके बाद भी खाद्य पूर्ति विभाग के जिम्मेदारियां ने दोबारा से यहीं पर केंद्र स्थापित कर दिया जबकि यहां पर भूसे की खरीदी पहले से ही की जा रही थी । जिम्मेदार अधिकारियों ने पुरानी घटना से सीखा न लेते हुए दुर्घटना को दावत देने के लिए यहीं पर गेहूं खरीदी केंद्र स्थापित कर दिया।

इनका कहना है -

हमारे द्वारा मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस को परिवर्तित करने के लिए प्रस्ताव बना कर जिला कलेक्टर खाद्य पूर्ति शाखा को भेजा है । वेहर हाउस संचालक को हमने नोटिस दिया बार-बार कहने के बाद भी भूसे के स्टॉक को नहीं हटाया गया जिसके कारण कभी भी किसी भी तरह की अनहोनी हो सकती थी इसका उत्तरदाई कौन होगा इसलिए केंद्र बदलने के लिए प्रस्ताव भेजा है।

हर्षल चौधरी, *एसडीएम सिरोंज*

बेरिटिनी ने एटीपी माराकेच ओपन पर जमाया कब्जा

कोलिंस 13वीं जीत के साथ बनीं चार्ल्सटन ओपन चैंपियन, डेनियल ने शीर्ष 15 में बनाई जगह

चार्ल्सटन, एजेंसी

डेनियल कोलिंस अब चार्ल्सटन ओपन खिताब जीतने वाली चौथी गैरवरीय खिलाड़ी है। इससे पहले 2002 में इवा माजोली, 2005 में जस्टिन हेनिन और 2017 में डारिया कसाटकिना ने यह खिताब जीता। फरवरी की शुरुआत में विश्व रैंकिंग में 71वें नंबर की खिलाड़ी के तौर पर शुरुआत करने वाली कोलिंस ने शीर्ष-15 में जगह बना ली है। अमरीका की डेनियल कोलिंस ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार 13वीं जीत के साथ चार्ल्सटन ओपन का खिताब अपने नाम किया। मियामी ओपन के बाद अमरीकी खिलाड़ी का यह लगातार दूसरा खिताब है। गैरवरीय कोलिंस ने महिला एकल फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त रूस की डारिया कसाटकिना को एक घंटे 17 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से शिकस्त दी। इससे पहले एक ही वर्ष में मियामी और चार्ल्सटन ओपन का खिताब जीतने वाली आखिरी खिलाड़ी अमरीका की सेरेना विलियम्स थी। सेरेना ने 2008 और 2013 में यह खिताब जीता था। रोकेब्रुने-कैप मार्टिन, फ्रांस. सुमित नागल सोमवार को मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य दौर में जीत दर्ज करने वाले पहले भारतीय टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। गैरवरीय नागल ने अंतिम-64 में विश्व रैंकिंग में 38वें नंबर के इटली के खिलाड़ी मटेओ अर्नाल्डी को 5-7, 6-2, 6-4 से हराया। अब अंतिम-32 में नागल का सामना पिछले साल के उपविजेता 7वीं वरीय होल्गर रूने से होगा। माराकेच. इटली के मटेओ बेरिटिनी ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में गत चैंपियन रॉबर्टो कार्बालेस बेना को 7-5, 6-2 से हराया और एटीपी माराकेच ओपन खिताब पर कब्जा जमाया। यह दो साल में एटीपी टूर पर उनका पहला खिताब है। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने 2022 में क्वींस क्लब में आखिरी खिताब जीता था।

क्रूएगर-स्टीफंस की जोड़ी के नाम महिला युगल खिताब

अमरीका की एशलिन क्रूएगर और स्लोएन स्टीफंस ने चार्ल्सटन ओपन का महिला युगल का खिताब जीता। अमरीकी जोड़ी ने फाइनल में यूक्रेन की बहनों ल्यूडमिला और नादिया किचेनोक को एक घंटे 19 मिनट तक चले मुकाबले में 1-6, 6-3, 10-7 से शिकस्त दी।

आईपीएल का गणित: मुस्तफिजुर के पास पहुंची पर्पल कैप

पंजाब को हराकर नंबर-2 पर आज आ सकती है हैदराबाद

चेन्नई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने होमग्राउंड पर लगातार तीसरा मैच जीत लिया। टीम ने सोमवार को लगातार 3 मैच जीत चुकी कोलकाता नाइट राइडर्स को हराया। हालांकि इस नतीजे के बावजूद पॉइंट्स टेबल में केकेआर नंबर-2 और सीएसके नंबर-4 पर बरकरार है। आज 17वें सीजन में 5वें और छठे नंबर की टीम सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के बीच मैच खेला जाएगा। यहां जीतने वाली टीम 6 पॉइंट्स के साथ टॉप-4 में पहुंच सकती है। सीएसके के मुस्तफिजुर रहमान सोमवार को 2 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल कर चुके हैं। वहीं ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड में कोई बदलाव नहीं हुआ, आरसीबी के विराट कोहली अब भी टॉप पर हैं।

सोमवार को हुए मैच के बाद 17वें सीजन के सिक्सर किंग अब भी स्त्रा के हेनरिक क्लासन ही हैं। उनके नाम 4 मैचों में 17 सिक्स हैं, हालांकि केकेआर के सुनील नरेन सोमवार को 2 सिक्स लगाकर 14 छक्कों के साथ नंबर-5 पर पहुंच गए। आज क्लासन अपनी बढ़त को और मजबूत कर सकते हैं। उन्हीं की टीम के अभिषेक शर्मा के 15 छक्के हैं, आज वह भी टॉप पर आ सकते हैं।

पॉइंट्स टेबल में सीएसके के 2 अंक बढ़े

चेपॉक स्टेडियम में सीएसके ने केकेआर को 7 विकेट से हराया। कोलकाता ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन बनाए। चेन्नई ने 17.4 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। केकेआर को हराकर भी सीएसके नंबर-4 पर ही बरकरार है। हालांकि टीम के अब 5 मैचों में 3 जीत से 6 पॉइंट्स हो गए, चेन्नई को 2 हार दिल्ली और हैदराबाद के खिलाफ मिली। पॉइंट्स टेबल में चचक्रऔर एलएसजी के भी 6-6 पॉइंट्स हैं और दोनों टीमें बेहतर रन रेट के कारण सीएसके से आगे हैं। 17वें सीजन में मिली पहली हार के बावजूद केकेआर नंबर-2 पर बरकरार है। हालांकि टीम का रन रेट जरूर कम हो गया। लेकिन शुरुआती 3 मुकाबले अच्छे अंतर से जीतने के कारण 6 पॉइंट्स के साथ टीम टॉप-2 में है।

ऑरेंज कैप में विराट ही टॉप पर

सोमवार को मैच के बाद 17वें सीजन के ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड में कोई बदलाव नहीं हुआ। आरसीबी के विराट कोहली 5 मैचों में 316 रन बनाकर टॉप पर हैं। दूसरे नंबर पर मौजूद गुजरात के साई सुदर्शन 5 खेलकर भी उनसे 125 रन पीछे हैं। हालांकि आज एसआरएच के हेनरिक क्लासन 140 रन बनाकर टॉप पर आ सकते हैं, लेकिन उनकी बैटिंग पोजिशन नंबर-5 होने की वजह से यह होना मुश्किल है। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड भी विराट कोहली के नाम ही है। उन्होंने 5 मैचों में 29 बाउंड्री लगाई हैं। ऋतुराज गायकवाड सोमवार को 9 चौके लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गए। उनके अब 5 मैचों में 20 चौके हो गए। आज पंजाब के कप्तान शिखर धवन के पास 14 चौके लगाकर टॉप पर आने का मौका है।

मुस्तफिजुर के पास आई पर्पल कैप

सीएसके के लेफ्ट आर्म पेसर मुस्तफिजुर रहमान ने 2 विकेट लिए। इसी के साथ उनके 4 मैचों में 9 विकेट हो गए और वह सीजन के टॉप विकेट टेकर बन गए। इस कारण उनके पास पर्पल कैप पहुंच गई। उन्होंने चक्रके युजवेंद्र चहल को पीछे किया, जिनके नाम 8 विकेट हैं। आज पंजाब के कगिसो रबाडा 4 विकेट लेकर टॉप पर पहुंच सकते हैं।

पंजाब के पास भी टॉप-4 में आने का मौका

पीबीकेएस भी 4 मैचों में 2 जीत और 2 हार के बाद 4 ही पॉइंट्स लिए हैं। हालांकि खराब रन रेट के कारण टीम छठे नंबर पर है। आज अगर टीम बड़े अंतर से जीती तो 6 पॉइंट्स के साथ टॉप-4 में आ जाएगी। लेकिन इसके लिए टीम को 100 या उससे ज्यादा रन की जीत चाहिए। अगर 100 से कम रन के अंतर से जीती तो टीम 6 पॉइंट्स लेकर भी 5वें नंबर पर ही पहुंचेगी। क्योंकि टॉप-4 में मौजूद बाकी टीमों का रनरेट पंजाब से बहुत ज्यादा बेहतर है। मैच हारने पर पंजाब भी 7वें नंबर पर पहुंच सकती है।

हैदराबाद नंबर-2 पर भी पहुंच सकती है

आज सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के बीच मोहाली में टूर्नामेंट का 23वां मैच खेला जाएगा। एसआरएच 4 मैचों में 2 जीत और 2 हार के बाद 4 अंक लेकर पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर है। टीम का रन रेट भी पॉजिटिव है। आज अगर पंजाब के खिलाफ स्त्रा को बड़ी जीत मिली तो टीम 6 पॉइंट्स के साथ नंबर-2 पर भी पहुंच सकती है। 40 या उससे ज्यादा रन के अंतर से जीतने पर टीम नंबर-3 और 30 से 39 रन के अंतर से जीतने पर टीम नंबर-4 पर पहुंच जाएगी। इससे कम अंतर से जीतने पर टीम 5वें नंबर पर ही रहेगी। हारने पर एसआरएच 7वें नंबर पर भी खिसक सकती है।

महिला हॉकी के लिए 33 खिलाड़ियों का चयन

भारतीय टीम एफआइएच हॉकी प्रो लीग में खेलेगी

बेंगलूरु, एजेंसी

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय शिविर के लिए 33 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। टीम अब बेंगलूरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण में 16 मई तक प्रशिक्षण जारी रखेगी। यह दल उस टीम के गठन की दौड़ में होगा, जो भविष्य के कोचिंग शिविरों और अंतरराष्ट्रीय दौरों में भाग लेगी। भारतीय टीम एफआइएच हॉकी प्रो लीग में खेलेगी।

चयनित खिलाड़ी-

गोलकीपर- सविता, बिचू देवी खारिबाम, बंसारी सोलंकी, माधुरी किंडो। डिफेंडर -निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, रोपनी कुमारी, महिमा चौधरी, ज्योति छत्री, प्रीति। **मिडफील्डर -** सलीमा टेटे, मरीना लालरामन घाकी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, ज्योति, एडुला ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, अजमीना कुजूर, निशा। **फॉरवर्ड -** मुमताज खान, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, दीपिका, प्रीति, वंदना आदि।

प्लेयर ऑफ द मंथ बने मेंडिस व बाउचर

दुबई, एजेंसी

आइसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट टीम के कामिंदु मेंडिस को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। महिला वर्ग में इंग्लैंड की मैया बाउचर को ये पुरस्कार मिला है। मेंडिस ने बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में 102 रन और दूसरी पारी में 164 रन बनाए थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के मैट हेनरी,आयरलैंड के मार्क अडायर को पीछे छोड़ा। बाउचर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में 223 रन बनाए थे। उन्होंने 4-1 टी20 श्रृंखला में जीत हासिल की थी।

मेट्रो बाजार

सितंबर तक 100 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल, कई देशों के बीच तनाव बढ़ेंगे दाम

नईदिल्ली, एजेंसी

कच्चे तेल के और महंगा होने की आशंका है। जेपी मॉर्गन एंड चेज का अनुमान है कि अगस्त-सितंबर तक कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच सकता है। इससे दुनियाभर में महंगाई बढ़ने को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है।जेपी मॉर्गन एंड चेज के मुताबिक, कई देशों के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने और आपूर्ति में कमी से क्रूड की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। हाल में क्रूड छह महीने के उच्च स्तर 90 डॉलर के पार पहुंच गया था। विश्लेषकों के मुताबिक, क्रू में तेजी महंगाई को लेकर भी चिंता बढ़ा रही है। इससे केंद्रीय बैंकों की दर में कटौती की योजनाओं पर असर पड़ सकता है। वैश्विक आधार पर मांग ठीक है, लेकिन आपूर्ति कम है। मेक्सिको से तेल निर्यात पिछले महीने 35 फीसदी गिरकर 2019 के बाद से निचले स्तर पर आ गया। मार्च में मेक्सिको, अमेरिका, कतर और इराक ने अपने संयुक्त तेल उत्पादन में प्रतिदिन 10 लाख बैरल से अधिक की कटौती की। इस्त्रायल व ईरान के बीच तनाव का माहौल है। दोनों देशों में कभी भी युद्ध की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा, कमोडिटी संचालित महंगाई फिर से वापस दिखने लगी है। इससे क्रूड की कीमतें बढ़ने की प्रबल आशंका है। मेक्सिको की ओर से क्रूड निर्यात को कम करने का हालिया कदम वैश्विक स्तर पर दबाव बढ़ा रहा है। इससे अमेरिका में तेल की खपत बढ़ गई है। अमेरिकी प्रतिबंधों ने रूसी माल को समुद्र में फंसा दिया है। अगला लक्ष्य वेनेजुएला की आपूर्ति बाधित करना है। लाल सागर में टैंकरों पर हूती विद्रोहियों के हमलों से क्रूड निर्यात शिपमेंट में देरी हुई है। उथल-पुथल के बावजूद ओपेक देश उत्पादन कटौती पर अड़े हैं। इससे ब्रेंट क्रूड के दो वर्षों में पहली बार 100 डॉलर तक पहुंचने का खतरा पैदा हो गया है।

एथर एनर्जी का पहला फैमिली स्कूटर रिज्टा पेश, एक बार चार्ज होने पर 160 किलोमीटर तक चलेगा

बंगलूरू, एजेंसी। बंगलूरू में दूसरे एथर कम्युनिटी डे पर पेश ई-स्कूटर में व्हॉट्सएप व कई कनेक्टेड फीचर दिए गए हैं। यह उबड़-खाबड़ व रेतीले रास्तों पर न फिसले, इसके लिए इसमें स्किड कंट्रोल फीचर दिया गया है। ई-स्कूटर में कुल 56 लीटर का बूट स्पेस है। इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता एथर एनर्जी ने अपना पहला फैमिली ई-स्कूटर रिज्टा लॉन्च किया है। कंपनी का दावा है कि यह पूरी तरह चार्ज होने पर 160 किलोमीटर तक चलेगा। इसकी शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 1,09,999 रुपये है। बंगलूरू में दूसरे एथर कम्युनिटी डे पर पेश ई-स्कूटर में व्हॉट्सएप व कई कनेक्टेड फीचर दिए गए हैं। यह इलेक्ट्रिक दोपहिया सेगमेंट में सबसे बड़ी सीट व सबसे ज्यादा बूट स्पेस वाला ई-स्कूटर है। कंपनी ने नया हेलो हेलमेट भी पेश किया है। इस स्मार्ट हेलमेट में ऑडियो फीचर भी है। एथर एनर्जी के सह-संस्थापक एवं सीईओ तरुण मेहता ने कहा, हम रिज्टा के साथ फैमिली स्कूटर क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इसे परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। कंपनी के सह-संस्थापक व सीटीओ स्वप्निल जैन ने कहा, हम हेलमेट पहनने की अनिवार्यता को खत्म कर इसे मजेदार व आकर्षक सवारी का हिस्सा बनाना चाहते हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

एकता रमजान पर रखती हैं रोजा, 'सोमवती अमावस' का भी जिक्र

पिछले कई दिनों से रमजान का पवित्र महीना चल रहा है और इंडस्ट्री के कई सितारों की इफ्तार पार्टी आपने देखी होगी. लेकिन शायद ही सुना हो कि कोई हिंदू फिल्ममेकर रमजान में रोजा रखता हो लेकिन ऐसी एक महिला निर्माता-निर्देशक हैं जिन्होंने खुद इसके बारे में बताया है. एकता कपूर ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है जिसमें खुद बताया कि वो रमजान में हर साल रोजा रखती हैं. इसके साथ ही उनकी आस्था हिंदू रीति-रिवाजों में भी काफी देखने को मिलती है. टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की पॉपुलर फिल्ममेकर एकता कपूर ने अपने वीडियो के जरिए 'रोजा' रखने वाली बात बताई है. इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर ये वायरल भी हो रहा है. एकता कपूर ने एक वीडियो शेयर किया है जिसे उन्होंने अपनी कार में बनाया है. वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, हर साल की तरह एक रोजा हर रमजान के महीने में रखती हूं. पवित्र महीना रमजान खत्म होने वाला है और मैं उन सभी लोगों को विश करती हूं जिन्होंने रोजा रखा. सभी के शांति और प्यार से रहने की दुआ मांगती हूं. आज सोमवती अमावस्या भी है तो ये खाना देने और प्रार्थना करने का दिन है. प्यार सभी को. इस वीडियो को एकता कपूर ने खुद बनाया है और लिखा है कि ये ये वीडियो अनरिलेटेड है. इस वीडियो को फैंस पसंद तो कर रहे हैं वहीं एक यूजर ने एकता कपूर से पूछा, कल से नवरात्रि शुरू हो रहे हैं क्या आप नवरात्रि में भी व्रत रखती हैं या सिर्फ हिंदू पंजाबी होकर सिर्फ रोजा रखती हैं, प्लीज जवाब दीजिए. अब एकता कपूर इसपर जवाब देंगी या नहीं ये तो नहीं पता लेकिन एकता कपूर हर धर्म की इज्जत करती हैं ये उन्होंने कई बार बताया है. एकता कपूर हिंदू धर्म को बहुत ही शिद्दत से मानती हैं जिसके बारे में उन्होंने कई इंटरव्यूज में बताया है. उनके प्रोडक्शन का नाम भी 'बालाजी' के नाम से है. वहीं वो दुर्गा मां की भक्त हैं और उनके इंस्टाग्राम पर कई धार्मिक पोस्ट आप देख सकते हैं जिनमें वो मंदिरों में पूजा करती नजर आ जाएंगी।

जाने क्यों बनाई कंगना रणौत ने इंदिरा गांधी पर आधारित फिल्म 'इमरजेंसी'

कंगना रणौत एक ओर बीजेपी की टिकट पर अपनी राजनीतिक पारी खेलने को तैयार हैं, वहीं दूसरी ओर वे राजनीतिक ड्रामा फिल्म 'इमरजेंसी' भी दर्शकों के सामने लाने वाली हैं। इस फिल्म में कंगना भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस बीच हाल ही में दिए साक्षात्कार में फिल्म के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने महिलाओं के लिए अपनी बात सामने रखी और साथ ही फिल्म के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। कंगना पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार के साथ सिनेमाई इतिहास बनाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने न केवल अभिनय किया है, बल्कि फिल्म का निर्देशन भी किया है। अभिनेत्री ने इस बारे में बात की कि आखिर इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित यह फिल्म क्यों बनाई। कंगना का कहना है कि साल की सबसे बड़ी राजनीतिक ड्रामा रिलीज में से एक मानी जाने वाली इस फिल्म का उद्देश्य इतिहास पर एक वास्तविक चित्रण प्रदान करना है। कंगना रनौत ने कहा कि जैसा कि मैंने हमेशा कहा है, चाहे वह इंदिरा गांधी हों या कोई अन्य महिला, मुझे महिलाओं के प्रति बहुत सहानुभूति है। मैं इसका दिखावा नहीं कर सकती और मेरे दिल में महिलाओं के लिए सम्मान भी है, इसलिए मैंने उनके लिए बहुत काम किया है। मैंने इंदिरा गांधी के पूरे जीवन पर आधारित एक फिल्म बनाई है और जब आप एक कलाकार होते हैं तो हर चीज प्रेरणा का काम करती है। उन्हीं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मैंने वह फिल्म बनाई, इसलिए जब यह सामने आएगी तो मुझे लगता है कि हर किसी को यह पसंद आएगी। उन्हें इसे एक मनोरंजन फिल्म के रूप में देखना चाहिए।

कोरोनाकाल में रिलीज हुई कुणाल की फिल्म का ऋतिक रोशन ने किया रिव्यू

कुणाल खेमू इन दिनों अपनी फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' को लेकर चर्चा में हैं। इसके जरिए उन्होंने निर्देशन की दुनिया में कदम रखे हैं। तमाम सितारे उनकी इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करा रहे हैं। इस बीच ऋतिक रोशन ने भी कुणाल की दिल खोलकर तारीफ लिखी है, लेकिन यह तारीफ उन्होंने अभिनेता की 2020 में रिलीज हुई फिल्म 'लूटकेस' के लिए लिखी है। कोरोना ने जब दहशत फैला रखी थी तब कुणाल खेमू फिल्म 'लूटकेस' के जरिए दर्शकों के बीच हंसी का जुगाड़ करके पहुंचे थे। यह फिल्म अब जाकर ऋतिक रोशन ने देखी है और इसका रिव्यू किया है। उन्हें यह फिल्म इतनी पसंद आई है कि वह खुद को कुणाल की तारीफ करने से नहीं रोक सके। ऋतिक रोशन ने एक्स पर पोस्ट साझा किया है। लूटकेस देखने के बाद ऋतिक रोशन ने लिखा है, मैंने अभी 'लूटकेस' देखी। मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई है !! कुणाल खेमू शानदार अभिनेता हैं। उनकी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस के लिए भी काफी तारीफें सुनने को मिल रही हैं। लेकिन, लूटकेस जबर्दस्त फिल्म है। इसके निर्देशक राजेश कृष्णन, सभी कलाकारों और पूरी टीम को मेरी देर से बधाई! क्या ही मजेदार फिल्म है%! ऋतिक से तारीफ सुनने के बाद कुणाल खेमू ने भी उनके पोस्ट को दोबारा साझा करते हुए प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, 'यह पढ़कर बहुत खुशी हुई। बहुत बहुत शुक्रिया'। मालूम हो कि फिल्म 'लूटकेस' में कुणाल खेमू के अलावा विजय राज, गजराज राव, रसिका दुग्गल, आर्यन प्रजापति, सुमित निझावन और रणवीर शौरी जैसे सितारे भी नजर आए।

नवरात्रः मंदिर में पूजा-अर्चना

भोपाल के भवानी मंदिर और काली मंदिर पर नवरात्रि के पहले दिन पूजा अर्चना के लिए उमड़े श्रद्धालु ।

बोहरा समाज ने मनाई ईद

भोपाल के अलीगंज बोहरा समाज मस्जिद में ईद की नमाज ।

अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र में सड़क किनारे बेसुध मिले अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसके शरीर पर चोट के मामूली निशान थे। अनुमान है कि वह नशे का आदी था और उसे गिरने से मामूली चोट लगी थी। करीब चार दिन चले इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि चोट के निशान गिरने से लगे है। उसके साथ किसी ने मारपीट नहीं की है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार गणेश शर्मा (51) इलाके में घूमताड़था और भीख मांगकर जीवन यापन करता था। गत चार अप्रैल को उसे एंबुलेंस जेपी अस्पताल लेकर पहुंची थी। वहां से गणेश को हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया। हमीदिया अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान कल सोमवार रात उसकी मौत हो गई।

पीएम रिपोर्ट का इंतजार

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि गणेश शर्मा की पत्नी करीब 27 साल पहले उसे छोड़कर चली गईड़थी। गणेश शर्मा शराब का आदी था और पूरे समय शराब के नशे में रहता था। वह नशे में अक्सर गिर जाता था और उसे चोट लग जाती थी। उसके शरीर पर मामूली चोट के निशान मिले थे, जो पूरी तरह से ठीक हो चुके थे। उसे कोई गंभीर चोट नहीं है। पुलिस ने मारपीट में आई चोट से मौत होने की बात से इंकार किया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

शाहपुरा बी सेक्टर में देर रात आधा दर्जन बदमाशों ने की डकैती

डॉक्टर के मकान में घुसे डकैत, नौकरों को कमरे में बंधक बना नगदी-जेवरात ले गए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित बी सेक्टर में डॉक्टर के मकान में घुसे डकैतों ने उनके तीनों नौकरों को कमरे में बंधक बना लिया। चाकू की नोक पर आरोपियों ने नौकरों को बंधक बनाने के बाद डॉक्टर के घर से नकदी समेत जेवरात लेकर गए हैं। घटना के समय डॉक्टर दंपती बेटी का जन्मदिन मनाने होटल जहांनुमा गए थे। पुलिस ने नौकर की शिकायत पर डकैती का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार डॉक्टर अंशुल सिंह बी सेक्टर शाहपुरा में मकान नंबर बी-234 में रहते हैं। उनके मकान में नौकर धर्मेंद्र परिहार उसकी पत्नी समेत एक अन्य नाबालिग नौकर रहता है। डॉक्टर अंशुल की बेटी का जन्मदिन था और वह पत्नी और बेटी के साथ जन्मदिन मनाने होटल जहांनुमा गए थे।

दस से साढ़े दस बजे के बीच वारदात

नौकरों ने पुलिस को बताया कि रात करीब दस बजे के आसपास वह घर में काम कर रहे थे। तभी पांच छह डकैत घर में घुस गए। सभी मुंह पर कपड़ा बांधे हुए थे और चाकू लिए हुए थे। चाकू की नोक पर उन्होंने नौकर धर्मेंद्र परिहार और उसकी पत्नी समेत नाबालिग को एक कमरे में बंधक बना लिया। बंधक बनाने के बाद आरोपी घर से नगदी और जेवरात लेकर फरार हो गए।

परिचित पर आशंका

पुलिस को आशंका है कि डकैती की वारदात को किसी परिचित ने अंजाम दिया है, जो जानता था कि डॉक्टर के घर कहां नगदी और जेवरात रखे हुए है। इसके अलावा उसे डॉक्टर के आने जाने की भी जानकारी दी थी। डकैत नगदी और जेवरात के अलावा उनके घर से दो मोबाइल भी लेकर गए है।

सीसीटीवी कैमरे से छेड़छाड़

डॉक्टर के घर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। डकैतों ने उनके घर लगे सीसीटीवी कैमरों से भी छेड़छाड़ की है। पुलिस आसपास के बंगलों और सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे के तलाश कर रही है। ताकि फुटेज देखकर आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

नाबालिग नौकर को रखा था घर

पुलिस ने बताया कि डॉक्टर के फार्म हाउस पर एक नौकर रहता था। वह वफादार था और उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद डॉक्टर दंपती ने उसके नाबालिग बेटे को घर पर रख लियाड़था और उसकी पड़ाई लिखाई और अन्य खर्च डॉक्टर द्वारा ही किया जा रहा था। पुलिस को संदेह है कि डकैती करने वाले नौकरों के ही परिचित अथवा रिश्तेदार हो सकते हैं या फिर पूर्व में यहां नौकरी करना वाला कोई नौकर हो सकता है।

हिरासत में एक आरोपी

सूत्रों की मुताबिक एक डकैत को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उसके पास से पिस्टल भी बरामद हुईड़है। डकैती की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मिसरोद होते हुए मंडीदीप की तरफ भागे हैं। एक डकैत को मिसरोद पुलिस ने दबोच लिया था और सतलापुरा पुलिस थाने में उसे रखा गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

बबूल के पेड़ पर युवक ने लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव मूडलाचंद में सोमवार सुबह एक युवक की लाश बबूल के पेड़ पर फांसी के फंदे के सहारे लटके मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद के भाई को सौंप दी है। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार दिलीप सिंह मीणा पिता स्वर्गीय हिम्मत सिंह मीणा (30) गांव मूडलाचंद तहसील बैरसिया में रहता था और मजदूरी करता था। पिता की काफी समय पहले मौत हो चुकी है और मां छोड़कर जा चुकी है। दिलीप सिंह अपने भाई के साथ गांव में रहता था। सोमवार सुबह गांव के कुछ लोग जंगल की तरफ शौच के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने बबूल के पेड़ पर दिलीप सिंह का शव रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर लटका देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि वह शराब पीने का आदी था।

महिला ने फांसी लगाकर जान दी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित खजूरिया रामदास गांव में पति की मौत के बाद मायके में रह रही 50 साल की महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम खजूरिया रामदास निवासी मलखान सिंह दांगी खेती-किसानी करते हैं। उनकी बहन निर्मला उर्फ ब्रहबाई पत्नी नर्मदा प्रसाद (50) उनके साथ ही रह रही थी। पति की मौत के बाद मलखान सिंह ने अपनी बहन के लिए अपनी जमीन पर एक घर बहन के लिए बनवा दिया था। करीब 8-10 साल से निर्मला वहीं रह रही थीं। उन्होंने अपने बेटे की शादी भी कर दी थी। सोमवार दोपहर बेटा-बहू कहीं बाहर गए हुए थे। निर्मला बाई अकेली थीं। दोपहर करीब दो बजे परिवार का एक बच्चा घर पहुंचा तो दरवाजा भीतर से बंद मिला। बच्चे ने मलखान सिंह को सूचना दी। किसी तरह दरवाजा खोलकर देखा तो निर्मला बाई फंदे पर लटकी मिली। फौरन महिला को फंदे से उतारकर सरकारी अस्पताल बैरसिया ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि शार्ट पीएम रिपोर्ट आने के बाद बयान दर्ज किए जाएंगे।

घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म, 13 साल की बेटी की नींद खुली तो भागे बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में तीन बच्चों की मां से घर में घुसकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी गत 6 अप्रैल की रात महिला के घर घुस गया था और वहां धमकाते हुए उससे दुष्कर्म किया। इसी बीच बेटी की नींद खुली तो उसने शोर किया और बदमाश मौके से भाग निकला। परिजन के साथ थाने पहुंची महिला ने पुलिस को शिकायत की थी। पुलिस ने घर में घुसकर छेड़छाड़, दुष्कर्म करने समेत जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 35 साल की महिला तहसील के एक कस्बे में रहती हैं। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गांव में रहने वाला शिवराज उर्फ गुड्डा उस पर बुरी नजर रखे हुए था। करीब एक महीने पहले वह खेत में काम कर रही थी, तभी आरोपी खेत में पहुंचा और जान से मारने की धमकी देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता डरी थी और परिजन को घटना की जानकारी नहीं दी। इससे आरोपी का हौसला बड़ गया और गत 6 अप्रैल की रात पति की गैरमौजूदगी में आरोपी उसके घर घुस गया। इस बार भी आरोपी ने धमकी देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। इसी बीच पीड़िता की 13 साल की बच्ची की नींद खुली तो उसने शोर मचाया था। पास ही कमरे में सो रही सास की नींद खुली और उन्होंने आरोपी को भागते हुए देखा था।

मेट्रो एंकर | जहांगीराबाद और ऐशबाग में अमानवीय कृत्य

बेटे-बहू ने मां से की मारपीट, शराब पीने से मना करने पर सौतेले पिता को बेटे ने पीटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद, ऐशबाग में बेटे-बहू का अमानवीय कृत्य सामने आया है। जहांगीराबाद में बहू-बेटे ने मां के साथ झाड़ू, हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया। जबकि, ऐशबाग इलाके में शराब पीने से रोकने पर पिता के साथ सौतेले बेटे ने मारपीट कर दी। पुलिस ने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस के मुताबिक, अमीन आटा चक्का के पास बैंक कालोनी निवासी 48 साल की ज्योति मालवीय पति अशोक मालवीय प्रायवेट टीचर हैं। उन्होंने बताया कि मेरा एक बेटा है। जिसकी शादी वर्ष 2022 में उसकी पसंद की लड़की प्रगति से की थी। करीब 2 साल से मेरे घर में हम लोगों के बीच छोटी-छोटी घरेलू बातों को लेकर विवाद होता रहता है। 1 अप्रैल को रात करीब साड़े 11 बजे बेट-बहू का घरेलू बातों को लेकर झगड़ा हो गया। इस पर मेरे बेटे हर्ष मालवीय ने वहीं पर पड़े बायपर से मेरे पैर-पीठ में मारपीट कर दी। बेटा होने के नाते मैंने कोई रिपोर्ट नहीं किया। 6 अप्रैल को दोपहर करीब डेड़ बजे की बात होगी हम सब लोग घर पर ही थे कि घरेलू काम की बात को लेकर मेरे बेटे बहू ने मेरे साथ हाथ मुक्कों-झाड़ू से मारपीट किया। बहू प्रगति मालवीय थाना रिपोर्ट करने आई। उसके पीछे मैं भी आ गई। पुलिस ने हम दोनों का समझौता करा घर भेज दिया। रात करीब 11 बजे मेरी बहू प्रगति, बेटे हर्ष ने फिर से मेरे साथ मारपीट कर दी। दोनों कहते हैं कि तुझे घर में रहना है तो हमारे हिसाब से रहना होगा। नहीं तो मारकर फेक देंगे। अब बहू-बेटे की क्रूरता सहन नहीं होती।

इधर, बागउमराव दूल्हा निवासी 50 साल के दिलीप सिंह राजपूत प्रापर्टी का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि मेरी एक लडकी है जिसकी शादी हो चुकी है, जो करोंद में अपने ससुराल में रहती है। सौतेला बेटा विजय उनके साथ रहता है। वह आटो चलाता है। दिलीप ने पुलिस को बताया कि बेटा शराब पीने का आदी है। आये दिन शराब पीकर झगड़ा करता है। 5 अप्रैल को रात साड़े 11 बजे बेटा विजय शराब के नशे घर आया। पिता ने शराब नहीं पीने को लेकर समझाने लगे। इस पर विजय ने मारपीट कर दी। उनके सीने, बाए हाथ के कंधे पर, बांई आंख पर चोट आई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022